RNI No. 58061/93 ■ वर्ष - 21 ■ अंक - 158 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » गुरुवार » 01-01-2026 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 वर्ष 2025 में भाजपा का कुशासन हावी रहा : खरगे

6 पारिवारिक परंपरा को बोझ नहीं, वैश्विक समाधान समझें

7 अब उम्र, जॉनर या फॉर्मेट की कोई बाधा नहीं रही : मोनासिंह

फर्स्ट टेक

पुणे बम धमाकों के आरोपी की गोली मारकर हत्या

अहिल्यानगर (महाराष्ट्र)/भाषा। पुणे में 2012 के सिलसिलेवार बम धमाकों के आरोपियों में से एक बंटी जहागीरदार की बुधवार को अहिल्यानगर जिले के श्रीरामपुर कस्बे में अज्ञात हमलावरों ने कथित तौर पर गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक, लगभग 50 वर्षीय जहागीरदार दोपहर करीब दो बजे बोरावेक कॉलेज रोड स्थित कब्रिस्तान से दोपहिया वाहन पर सवार होकर एक अन्य व्यक्ति के साथ लौट रहा था, उसी समय मोटरसाइकिल सवार दो लोगों ने जहागीरदार पर हमला कर दिया। अहिल्यानगर के पुलिस अधीक्षक सोमनाथ घरगे ने बताया कि जहागीरदार को गोली लगी थी और उसे तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां उसने दम तोड़ दिया।

थाईलैंड ने युद्धविराम समझौते के तहत 18 कंबोडियाई युद्धबंदियों को रिहा किया

बैंकॉक/एपी। थाईलैंड ने पांच महीने से बंदी बनाए गए 18 कंबोडियाई युद्धबंदियों को बुधवार को रिहा कर दिया। दोनों देशों ने अपनी सीमा पर जारी भीषण लड़ाई को समाप्त करने के उद्देश्य से एक युद्धविराम समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं और उसी के तहत युद्धबंदियों को रिहा किया गया है। युद्धबंदियों की यह रिहाई शनिवार को दोनों देशों के रक्षा मंत्रियों द्वारा थाईलैंड के चंथाबुरी प्रांत और कंबोडिया के पायलिन प्रांत के बीच एक ही सीमा चौकी पर हस्ताक्षरित युद्धविराम समझौते में निर्धारित की गई थी। थाईलैंड के विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा, ''कंबोडिया के 18 सैनिकों की स्वदेश वापसी सद्भावना और विश्वास निर्माण के प्रदर्शन के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय मानवीय सिद्धांतों के पालन के रूप में की गई।''

तुर्किये में इस्लामिक स्टेट के 125 और संदिग्धों को हिरासत में लिया गया

अंकारा/एपी। तुर्किये ने इस्लामिक स्टेट के संदिग्ध सदस्यों के खिलाफ चलाए गए राष्ट्रव्यापी अभियान के तहत 25 प्रांतों में एक साथ छापेमारी की कार्रवाई की और 125 लोगों को हिरासत में ले लिया। अधिकारियो ने बुधवार को इसकी जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि पुलिस ने नए साल और इससे पहले पिछले सप्ताह क्रिसमस के उत्सवों के दौरान संभावित हमलों को रोकने के उद्देश्य से राष्ट्रव्यापी छापेमारी की और इस्लामिक स्टेट (आईएस) के 125 संदिग्धों को हिरासत में लिया। उन्होंने बताया कि सोमवार को उत्तर-पश्चिमी प्रांत यालोवा में एक छापेमारी के दौरान संदिग्ध आईएस गुट के सदस्यों ने पुलिस पर गोलीबारी की।

लोगों को जाति, धन या भाषा के आधार पर नहीं आंका जाना चाहिए : भागवत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रायपुर/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत ने बुधवार को कहा कि लोगों को जाति, धन या भाषा के आधार पर नहीं आंका जाना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि यह देश सभी का है। भागवत ने सामाजिक सद्भाव, पर्यावरण की ज़िम्मेदारी और अनुशासित नागरिक जीवन का आह्वान किया तथा लोगों से मतभेदों से ऊपर उठकर समाज और राष्ट्र के लिए मिलकर काम करने का आग्रह किया।

छत्तीसगढ़ के रायपुर जिले के सोनपैरी गांव में 'हिंदू सम्मेलन' को संबोधित करते हुए, भागवत ने कहा कि सामाजिक सद्भाव की दिशा में पहला कदम अलगाव और भेदभाव की भावनाओं को दूर करना है। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि मंदिर, जल निकाय और श्मशान घाट, चाहे किसी ने भी स्थापित किए हों, सभी हिंदुओं के लिए खुले होने चाहिए। उन्होंने सामाजिक कार्य को एकता का प्रयास बताया, न कि संघर्ष का। उन्होंने कहा, ..लोगों को जाति, धन, भाषा या क्षेत्र के आधार पर मत आंकिए। सभी को अपना समझें। पूरा भारत मेरा है। उन्होंने इस दृष्टिकोण को सामाजिक समरसता बताया।

भागवत ने कहा कि सार्वजनिक सुविधाएं और धार्मिक स्थान सभी के लिए खुले होने चाहिए। उन्होंने कहा कि इसके लिए संघर्ष की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि यह जोड़ने का काम है।

नशे की समस्या पर, भागवत ने कहा कि अकेलापन अक्सर लोगों को नशे की ओर धकेल देता है।

सरसंघचालक ने सप्ताह में एक दिन साथ बिताकर, प्रार्थना कर, घर का बना खाना साझा करके और तीन से चार घंटे तक बातचीत कर पारिवारिक मेलजोल को फिर से शुरू करने की आवश्यकता पर ज़ोर दिया। उन्होंने इसे 'मंगल संवाद' बताया। भागवत ने कुटुंब प्रबोधन की अवधारणा पर ज़ोर दिया और कहा कि व्यक्तियों को इस बात पर विचार करना चाहिए कि वे रोज़ाना समाज और राष्ट्र के लिए कितना समय और संसाधन समर्पित करते हैं। उन्होंने कहा, अगर देश खतरे में है, तो परिवार भी खतरे में है।

भागवत ने इस दौरान दैनिक जीवन में मूल्यों का पालन करने का आह्वान किया।

ग्लोबल वार्मिंग और पर्यावरण के क्षरण पर चिंता व्यक्त करते हुए, भागवत ने लोगों से पानी बचाकर, वर्षा जल संचयन अपनाकर, एकल उपयोग प्लास्टिक का इस्तेमाल कम करके और अधिक पेड़ लगाकर अपने घरों से ही संरक्षण के प्रयास शुरू करने का आग्रह किया। उन्होंने घर पर अपनी मातृभाषा के उपयोग, भारतीय पहनावे के प्रति सम्मान और स्थानीय रूप से बने उत्पादों को खरीदकर स्वदेशी और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने की भी वकालत की।

नववर्ष

बुधवार को नववर्ष 2026 के स्वागत के लिए बेंगलूरु के ब्रिगेड रोड पर उमड़े लोगों के बीच जश्न का माहौल देखने को मिला, जहां बड़ी संख्या में लोग उत्सव में शामिल होने पहुंचे।

चीन के राष्ट्रपति ने नववर्ष के मौके पर कहा

चीन के साथ ताइवान का पुनः एकीकरण अपरिहार्य है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बीजिंग/भाषा। चीन के राष्ट्रपति शी जिनफिंग ने नववर्ष के मौके पर बुधवार को अपने संबोधन में कहा कि चीन के साथ ताइवान का पुन: एकीकरण अपरिहार्य है। उन्होंने देश की बढ़ती रक्षा क्षमताओं का उल्लेख करते हुए ब्रह्मपुत्र नदी पर दुनिया के सबसे बड़े बांध के निर्माण को भी रेखांकित किया।

राष्ट्रीय टेलीविजन पर प्रसारित 2026 के नववर्ष संदेश में शी ने कहा कि ताइवान जलडमरूमध्य के दोनों ओर रहने वाले चीनी लोगों के बीच रक्त व पारिवारिक संबंध हैं। उन्होंने कहा, हमारी मातृभूमि का पुन: एकीकरण समय की मांग है और इसे रोका नहीं जा सकता।

यह बयान ऐसे समय आया है जब चीन ने पिछले तीन दिन में स्वशासित ताइवान द्वीप के आसपास अपनी सैन्य गतिविधियों को तेज कर दिया है। चीन ताइवान को अपने मुख्य भूभाग का हिस्सा मानता है।

चिनफिंग (72) ने आर्थिक, रक्षा व प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में देश की प्रगति को भी रेखांकित किया। उन्होंने कहा, यारलुंग त्सांगपो (ब्रह्मपुत्र नदी) के निचले हिस्से में जलविद्युत परियोजना का निर्माण शुरू हो गया है।

चीन ने पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील तिब्बत क्षेत्र में, अरुणाचल प्रदेश में भारतीय सीमा के निकट ब्रह्मपुत्र नदी पर 170 अरब अमेरिकी डॉलर की लागत वाले बांध के निर्माण की औपचारिक शुरुआत कर दी है। इस परियोजना को लेकर भारत और बांग्लादेश के निचले प्रवाह वाले राज्यों में बाढ़ की आशंका को लेकर चिंताएं जताई गई हैं।

गोवा नाइटक्लब अवैध रूप से बना था : जांच रिपोर्ट

पणजी/भाषा। गोवा के जिस नाइटक्लब में दिसंबर के पहले सप्ताह में आग लगने से 25 लोगों की मौत हुई, वह अवैध रूप से बनाया गया था और बिना लाइसेंस के संचालित किया जा रहा था। राज्य सरकार के निर्देश पर हुई मजिस्ट्रेट जांच की रिपोर्ट में बुधवार को यह खुलासा हुआ है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि उत्तरी गोवा के अरपोरा गांव में स्थित 'बर्च बाय रोमियो लेन' बिना वैध लाइसेंस के अवैध रूप से संचालित किया जाता रहा और स्थानीय पंचायत ने संपत्ति को सील करने के लिए कोई कार्रवाई नहीं की।

रिपोर्ट के अनुसार, छह दिसंबर की रात प्रतिष्ठान में उचित सावधानी व सतर्कता बरते बिना तथा पर्याप्त अग्नि-सुरक्षा उपकरणों के बगैर आतिशबाजी की गई जिसके कारण आग लग गई। इस हादसे में नाइटक्लब के कर्मचारियों और पर्यटकों समेत 25 लोगों की मौत हो गई थी।

भारत ने ओडिशा तट से दो 'प्रलय' मिसाइल का सफल परीक्षण किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत ने बुधवार को ओडिशा के तट से कुछ ही समय के अंतराल में दो 'प्रलय' मिसाइल का सफल परीक्षण किया, जिससे सैन्य सेवा में इसके शामिल होने का मार्ग प्रशस्त हुआ। प्रलय अल्प दूरी की सतह से सतह पर मार करने वाली मिसाइल है जिसकी हथियारों को ले जाने की क्षमता 500-1000 किलोग्राम है। यह कई पारंपरिक युद्धक हथियारों को ले जाने में सक्षम है और इसकी मारक क्षमता 150 से 500 किलोमीटर है।

'प्रलय' स्वदेशी रूप से विकसित एक अर्ध-बैलिस्टिक मिसाइल है जिसमें उच्च सटीकता सुनिश्चित करने के लिए अत्याधुनिक नौपरिवहन प्रणाली लगी हुई है।

यह विभिन्न लक्ष्यों के लिए कई प्रकार के युद्धक हथियारों को ले जाने में सक्षम है।

इन मिसाइलों का परीक्षण रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) द्वारा किया गया।

रक्षा मंत्रालय ने कहा, ''यह उड़ान परीक्षण मूल्यांकन परीक्षणों के तहत किया गया था। 'ट्रैकिंग सेंसर' द्वारा पुष्टि की गई जानकारी के अनुसार, दोनों मिसाइल ने निर्धारित पथ का अनुसरण किया और सभी उड़ान उद्देश्यों को पूरा किया।''

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मिसाइलों के सफल प्रक्षेपण पर डीआरडीओ, भारतीय वायु सेना, भारतीय सेना, रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों और उद्योग जगत को बधाई दी। उन्होंने कहा कि प्रलय मिसाइल के सफल प्रक्षेपण ने मिसाइल की विश्वसनीयता स्थापित कर दी है।

रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग के सचिव और डीआरडीओ के अध्यक्ष समीर वी कामत ने भी मिसाइल के सफल उड़ान परीक्षणों में शामिल डीआरडीओ की कई टीम को बधाई दी और कहा कि यह उपलब्धि उपयोगकर्ताओं के लिए मिसाइल प्रणाली के शीघ्र शामिल हो पाने की तैयारी का संकेत है।

देश में ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या 100 करोड़ के पार

नई दिल्ली/भाषा। देश में ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या नवंबर 2025 में 100 करोड़ के आंकड़े को पार कर गई। भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने बुधवार को यह जानकारी दी। अक्टूबर 2025 में भारत में कुल 99.98 करोड़ ब्रॉडबैंड उपभोक्ता थे। इनमें से 95.49 करोड़ उपभोक्ता 'वायरलेस नेटवर्क' से जुड़े थे, जबकि 4.48 करोड़ उपभोक्ता 'फिक्स्ड लाइन कनेक्शन' का उपयोग कर रहे थे। वायरलेस ब्रॉडबैंड कनेक्शन वह होता है, जिसमें इंटरनेट सेवा मोबाइल नेटवर्क या रेडियो तरंगों के माध्यम से दी जाती है। इसमें मोबाइल फोन, डोंगल, हॉटस्पॉट और सिम आधारित इंटरनेट सेवाएं शामिल होती हैं। इसके लिए किसी तार या केबल की आवश्यकता नहीं होती। फिक्स्ड लाइन ब्रॉडबैंड कनेक्शन वह होता है, जिसमें इंटरनेट सेवा केबल या फाइबर तार के माध्यम से घर या कार्यालय तक पहुंचाई जाती है।

भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भगवान राम के आदर्शों के अनुरूप कार्य किया : राजनाथ सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अयोध्या/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को राम मंदिर आंदोलन को एक ''महान इतिहास'' बताया जिसने भविष्य की नींव रखी। उन्होंने कहा कि भारत ने ऑपरेशन सिंदूर में भगवान राम के आदर्शों के अनुसार कार्य किया। सिंह यहां राम मंदिर परिसर में अन्नपूर्णा मंदिर में धर्म ध्वजा फहराने के बाद एक सभा को संबोधित कर रहे थे और रामलला के विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा की दूसरी वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित प्रार्थनाओं में शामिल हुए।

सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता ने कहा कि विदेशी आक्रमणकारियों द्वारा सनातन परंपराओं को मिटाने के बार-बार किए गए प्रयासों के बावजूद, राम मंदिर के ऊपर लहराता हुआ भगवा ध्वज सभ्यतागत निरंतरता का संदेश देता है।

रक्षा मंत्री ने ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र करते हुए कहा कि भारत ने भगवान राम के आदर्शों के अनुसार कार्य किया है। उन्होंने कहा, ''राम विनम्र हैं। राम गुणी हैं। राम दयालु हैं। लेकिन जहां आवश्यकता पड़ती है... वहां रामजी दुष्टों के संहारक की भूमिका निभाते हैं। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान, हमने भगवान राम की उसी प्रेरणा से काम किया।''

भारत ने 22 अप्रैल पर कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों को निशाना बनाकर किए गए हमले के जवाब में छह मई की रात ऑपरेशन सिंदूर के नाम से पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में स्थित नौ आतंकी शिविरों पर सैन्य कार्रवाई की जिनमें कम से कम 100 आतंकवादी मारे गए। पाकिस्तान की जवाबी कार्रवाई के बाद, भारत ने कई महत्वपूर्ण पाकिस्तानी सैन्य ठिकानों को भारी नुकसान पहुंचाया।

रक्षा मंत्री ने कहा, '' ऑपरेशन 'सिंदूर' के दौरान भारत ने भी, भगवान राम के इसी मर्यादा का पालन किया। जैसे राम का लक्ष्य रावण का संहार नहीं, बल्कि अधर्म का अंत था। हमारा भी वही लक्ष्य था, कि हम आतंकियों और उनके आकाओं को सबक सिखा कर आएंगे और हमने बस वही किया।'' उन्होंने कहा कि भगवान राम महज एक पात्र या धर्मग्रंथ का एक अध्याय नहीं हैं, बल्कि एक जीवंत नैतिक शक्ति हैं जो नैतिक दुविधा, संयम और कर्तव्य के क्षणों में समाज का मार्गदर्शन करते हैं।

सिंह ने कहा कि राम जन्मभूमि आंदोलन भौगोलिक दृष्टि से और समय के लिहाज से ''दुनिया के सबसे बड़े आंदोलनों में से एक'' था।

राम मंदिर आंदोलन के उथल-पुथल भरे चरणों को याद करते हुए उन्होंने कहा कि भगवान राम का नाम लेने के कारण संतों, ऋषियों और भक्तों को गोलियों, गिरफ्तारियों और दमन का सामना करना पड़ा था।

सिंह ने कहा, ''इतिहास गवाह है कि समय सभी को न्याय दिलाता है। राम और धर्म के साथ खड़े रहने वाले लोग आज भी राष्ट्र की सेवा कर रहे हैं, जबकि आस्था के मार्ग में बाधा डालने वाले पीछे छूट गए हैं।''

01-01-2026 सूर्यास्त 6:04 बजे | 02-01-2026 सूर्योदय 6:42 बजे

BSE	NSE
85,220.60 (+545.52)	26,129.60 (+190.75)

सोना	चांदी
13,923 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	241,279 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

नया साल

मनभावों में आया उछाल,
वो ही घोड़े है वही चाल।
वो ही रोटी है वही दाल,
है मँहगाई से बुरे हाल।
नेताओं की खुरदरी खाल,
वादों का वो ही मकड़जाल।
सब कुछ वो ही सबको मलाल,
लो आया फिर से नया साल।।

गिग कर्मचारियों ने की हड़ताल, ई-कॉमर्स और ऑनलाइन डिलीवरी सेवाओं पर ज्यादा असर नहीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। बेहतर मेहनताना और काम की परिस्थितियों में सुधार की मांग को लेकर गिग कर्मचारियों का एक वर्ग बुधवार को हड़ताल पर रहा।

हालांकि इसका ई-कॉमर्स और खाद्य पदार्थों के ऑनलाइन ऑर्डर और आपूर्ति करने वाले मंचों के कामकाज पर कोई खास असर नहीं पड़ा। नए साल की पूर्व संध्या पर इन मंचों पर कारोबार सामान्य और मजबूत बना रहा। 'गिग' कर्मचारी काम के आधार पर भुगतान पाने वाले कर्मचारियों को कहा जाता है। ऑनलाइन आपूर्ति मंचों के लिए काम करते हैं। कुछ जगहों पर गिग कर्मचारियों ने प्रदर्शन किया, वहीं जोमैटो और स्विगी जैसी कंपनियों ने त्योहारों के दौरान अपनाई जाने वाली अपनी सामान्य प्रक्रिया के तहत डिलीवरी कर्मियों को अतिरिक्त प्रोत्साहन दिए, ताकि नए साल की पूर्व संध्या पर सेवाओं में न्यूनतम बाधा रहे।

तेलंगाना गिग एंड प्लेटफॉर्म वर्कर्स यूनियन (टीजीपीडब्ल्यूयू) और इंडियन फेडरेशन ऑफ ऐप-बेस्ड ट्रांसपोर्ट वर्कर्स (आईएफएटी) ने दावा किया कि बेहतर भुगतान और बेहतर कामकाजी परिस्थितियों की मांग को लेकर लाखों कर्मचारी राष्ट्रव्यापी हड़ताल में शामिल होने वाले हैं। इन संगठनों का कहना है कि भोजन वितरण और त्वरित वाणिज्य से जुड़ी कई कंपनियों के साथ काम करने वाले अनेक कर्मचारियों ने काम से दूरी बनाई है।

हालांकि, कंपनियों से जुड़े सूत्रों ने बताया कि नए साल की पूर्व संध्या पर उनके लिए कामकाज सामान्य रहा। हड़ताल के आह्वान के बीच जोमैटो ने शाम छह बजे से रात बारह बजे तक के व्यस्त समय में प्रति ऑर्डर 120 से 150 रुपए तक का भुगतान देने की पेशकश की।

बैंकों का एनपीए मार्च 2027 तक घटकर 1.9 प्रतिशत रहने का अनुमान : आरबीआई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक ने बुधवार को कहा कि बैंकों की सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्ति (एनपीए) अनुपात में आगे भी सुधार जारी रहने की संभावना है और मार्च 2027 तक यह घटकर 1.9 प्रतिशत रह सकता है। यह अनुमान सामान्य परिस्थितियों के आधार पर लगाया गया है।

रिजर्व बैंक ने अपनी छमाही वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट में बताया कि सितंबर 2025 तक सकल एनपीए अनुपात 2.1 प्रतिशत पर आ गया था, जो कई दशकों का निचला स्तर है। रिपोर्ट के अनुसार, 46 बैंकों का संयुक्त सकल एनपीए अनुपात सितंबर 2025 के 2.1 प्रतिशत से घटकर मार्च 2027 में 1.9 प्रतिशत हो सकता है। हालांकि, यदि आर्थिक स्थिति प्रतिकूल रहती है, तो यह अनुपात 3.2 प्रतिशत से 4.2 प्रतिशत तक बढ़ सकता है।

पूंजी की स्थिति पर रिपोर्ट में कहा गया है कि बैंकों में पूंजी जोखिम-भारित परिसंपत्तियों का अनुपात (सीआरएआर) के पास नुकसान सहने के लिए पर्याप्त पूंजी मौजूद है। सितंबर 2025 तक सार्वजनिक क्षेत्र बैंकों में यह 16 प्रतिशत और निजी बैंकों में 18.1 प्रतिशत है। इससे बैंक आर्थिक झटकों का सामना कर सकते हैं।

रिजर्व बैंक के अनुसार, यदि आर्थिक हालात बहुत खराब हो जाते हैं, तो भी अधिकांश बैंक टिके रह सकते हैं। हालांकि, ऐसे हालात में कुछ बैंकों की पूंजी कम हो सकती है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि सामान्य परिस्थितियों के तहत, 46 प्रमुख अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों (एससीबी) का कुल सीआरएआर सितंबर 2025 में 17.1 प्रतिशत से घटकर मार्च 2027 तक 16.8 प्रतिशत हो सकता है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि वृद्धि में नरमी और वैश्विक चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए प्रतिकूल परिदृश्यों के तहत यह घटकर क्रमशः 14.5 प्रतिशत और 14.1 प्रतिशत तक हो सकता है।

इसमें यह भी कहा गया है, ''दबाव परीक्षण से पता चला है कि निजी बैंकों और विदेशी बैंकों की तुलना में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की पूंजी में अपेक्षाकृत अधिक कमी आई है। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि गंभीर संकट की स्थिति में, अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों की कुल संपत्ति में 15 प्रतिशत हिस्सेदारी रखने वाले छह बैंक सीआरएआर के मामले में न्यूनतम स्तर से नीचे जा सकते हैं।

रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों का कुछ बड़े कर्जदारों पर निर्भर रहना कम हुआ है, जो एक सकारात्मक संकेत है। कुल कर्ज में बड़े कर्जदारों की हिस्सेदारी लगभग 44 प्रतिशत बनी हुई है, लेकिन खराब कर्ज में उनकी हिस्सेदारी घटकर 33.8 प्रतिशत रह गई है।

कमाई के मामले में रिपोर्ट बताती है कि बैंकों की ब्याज से होने वाली आय की बढ़ोतरी की रफ्तार धीमी पड़ी है। सितंबर 2025 में यह वृद्धि घटकर 2.3 प्रतिशत रह गई। इसकी एक वजह ब्याज दरों में कटौती है।

आंध्र प्रदेश में शिवलिंग क्षतिग्रस्त करने के आरोप में व्यक्ति गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

द्राक्षारामम (आंध्र प्रदेश)/भाषा। बी.आर. अंबेडकर कोनासिमा जिले के द्रक्षारामम मंदिर के पास एक शिवलिंग को कथित रूप से क्षतिग्रस्त कर दिया गया। घटना के संबंध में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी।

पुलिस को मंगलवार को इस घटना की सूचना मिली और वह मौके पर पहुंची जहां मंदिर के कोनेरु (सीढ़ियों वाला जलाशय) के पास स्थित शिवलिंग को क्षतिग्रस्त पाया गया।

रामचंद्रपुरम के पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) बी. रघुवीर ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ''द्राक्षारामम मंदिर के कोनेरु के पास एक शिवलिंग को तोड़े जाने की सूचना मिलने पर हमने घटनास्थल का दौरा किया।'' रामचंद्रपुरम मंडल के थोतापेटा गांव के निवासी आरोपी सीलम श्रीनिवास (38) को उसके घर से गिरफ्तार किया गया। आरोप है कि उसने शिवलिंग को हथौड़ा मारकर तोड़ दिया और दोपहिया वाहन से मौके से फरार हो गया। स्थानीय निवासियों की सूचना और इलाके के सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस ने इस घटना की जांच शुरू की। रघुवीर ने कहा कि आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है और मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने कहा कि आरोपी भगवान शिव का भक्त है। डीएसपी ने बताया कि श्रीनिवास और मंदिर के पुजारी के सूरी बाबू के बीच विवाद तब उत्पन्न हुआ जब सूरी बाबू ने होमम (हवन) किया, सड़क खोदी, पाइपलाइन बिछाई और नहर का निर्माण किया, जिसके परिणामस्वरूप नाले का गंदा पानी आरोपी के घर के सामने बहने लगा। इससे क्रोधित होकर श्रीनिवास ने कथित तौर पर नहर को नुकसान पहुंचाया जिससे विवाद और बढ़ गया। बाद में अपने काम के दौरान उन्होंने कथित तौर पर बाबू को मंदिर परिसर के भीतर कोनेरु के पास एक शिवलिंग की पूजा करते हुए देखा। डीएसपी ने कहा कि श्रीनिवास ने बाबू को पूजा करने से रोकने और उन्हें नुकसान पहुंचाने के दुर्भावनापूर्ण इरादे से यह कृत्य किया। भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) अधिनियम की धारा 298 और 324(4) के तहत मामला दर्ज किया गया है। इससे पूर्व आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने राज्य में मंदिरों का प्रबंधन, जीर्णोद्धार और धार्मिक स्थलों के विकास संबंधी विभाग की मंत्री अनम रामनारायण रेड्डी से इस घटना के बारे में जानकारी ली। मंत्री ने मुख्यमंत्री को बताया कि घटना की जांच के लिए विशेष पुलिस टीम का गठन किया गया है।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि घटना के लिए जिम्मेदार लोगों को सख्त सजा दी जाए और जांच की प्रगति के बारे में उन्हें लगातार सूचित किया जाए।

राउत के आवास के बाहर खड़ी कार पर लिखा मिला बम की धमकी का संदेश

मुंबई/भाषा। मुंबई में शिवसेना (उबाठा) सांसद संजय राउत के आवास के बाहर बुधवार दोपहर को ऐसी कार खड़ी मिली, जिसकी खड़की पर बम की धमकी वाला एक संदेश लिखा था, जिसके बाद बम निरोधक दस्ते ने उनके परिसर की तलाश ली।

एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि भांडुप इलाके में राउत के आवास की तलाशी के दौरान कुछ भी संदिग्ध नहीं पाया गया। अधिकारी के मुताबिक, वैगनआर कार की खिड़की पर जमी धूल पर लिखा एक संदेश मिला कि ''आज होगा हंगामा 12 बजे बम ब्लास्ट।'' राज्यसभा सदस्य के समर्थकों ने तुरंत पुलिस को बम की धमकी वाले संदेश के बारे में सूचना दी। अधिकारी के मुताबिक, बाद में बम निरोधक दस्ते के कर्मी मौके पर पहुंचे और राउत के बंगले की अच्छी तरह से जांच की लेकिन उन्हें कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला। उन्होंने बताया कि कार को ज़ब्त कर लिया गया है और पुलिस धमकी भरे संदेश के सिलसिले में एक अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज करने की प्रक्रिया में है।

हिंदू देवी-देवताओं का अपमान करने के आरोप में यूट्यूबर के खिलाफ मामला दर्ज

हैदराबाद/भाषा। हिंदू देवी-देवताओं पर कथित 'अपमानजनक' टिप्पणी करने के आरोप में यूट्यूबर अन्वेष के खिलाफ हैदराबाद में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अभिनेत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता कराटे कल्याणी ने पंजागुट्टा थाने में एक शिकायत दर्ज कराई, जिसमें प्रपंचा यत्रिकुडु के नाम से मशहूर अन्वेष पर हिंदू देवताओं का 'अपमान' करने का आरोप लगाया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि शिकायत के आधार पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

रुपया वर्ष 2025 में पांच प्रतिशत लुढ़का, विदेशी पूंजी की निकासी पड़ी भारी

मुंबई/भाषा। विदेशी पूंजी की निकासी और आयातकों की ओर से डॉलर की बढ़ती मांग से रुपया वर्ष 2025 में पांच प्रतिशत तक टूट गया जिससे यह सबसे खराब प्रदर्शन करने वाली एशियाई मुद्राओं में से एक बन गया है।

रुपया 2025 के आखिरी कारोबारी सत्र में बुधवार को 13 पैसे गिरकर 89.88 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ। महीने के अंत की मांग और विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) द्वारा डॉलर की खरीदारी ने इस पर दबाव बनाने का काम किया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया डॉलर के मुकाबले 89.89 पर खुला। दिन में 89.95 के निचले और 89.84 के ऊपरी स्तर तक पहुंचा।

कारोबार के अंत में रुपया 89.88 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ जो पिछले बंद भाव से 13 पैसे की गिरावट दर्शाता है। रुपया मंगलवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 89.75 पर बंद हुआ था। सालाना आधार पर रुपए में इस साल कुल 4.95 प्रतिशत की बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। यह 31 दिसंबर, 2024 को 85.64 रुपए प्रति डॉलर पर रहा था।

टीवी, रेफ्रिजरेटर, एलपीजी चूल्हा, कूलिंग टॉवर पर स्टार रेटिंग एक जनवरी से अनिवार्य

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने एक जनवरी से रेफ्रिजरेटर, टीवी, एलपीजी गैस चूल्हा एवं कूलिंग टॉवर जैसे कई उपकरणों पर ऊर्जा दक्षता वाली स्टार रेटिंग को अनिवार्य कर दिया है। बिजली मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले ऊर्जा दक्षता ब्यूरो (बीईई) की गजट अधिसूचना के मुताबिक, इस नए नियम का विस्तार डीप फ्रीजर, वितरण ट्रांसफॉर्मर और ग्रिड से जुड़े सोलर इनवर्टर पर भी होगा।

उल्लेखनीय है कि बीईई का स्टार रेटिंग ऊर्जा दक्षता को बढ़ावा देने वाले प्रमुख कार्यक्रमों में से एक है। इसके तहत उपकरणों पर एक से पांच स्टार की रेटिंग दी जाती है जो बताता है कि संबंधित उपकरण कितनी बिजली खपत करेगा। पहले फ्रॉस्ट-फ्री एवं डायरेक्ट कूल रेफ्रजरेटर, डीप रेफ्रिजरेटर, एयर कंडीशनर (कैसेट, फ्लोर स्टैंडिंग टावर, सीलिंग, कॉर्नर एसी), रंगीन टीवी और अल्ट्रा एचडी टीवी जैसे इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों पर स्टार रेटिंग को दर्शाना स्वैच्छिक था।

एक अधिकारी ने बताया कि स्टार-रेटिंग वाले उपकरणों की सूची समय-समय पर अद्यतन की जाती है। जुलाई 2025 में इन उपकरणों के लिए मसौदा नियम जनता से सुझाव लेने के लिए जारी किए गए थे और नए बदलाव इन्हीं सुझावों पर आधारित हैं। पहले भी रूम एयर कंडीशनर, इलेक्ट्रिक सीलिंग फैन, इलेक्ट्रिक वॉटर हीटर, वाशिंग मशीन, ट्यूबलर फ्लोरसेंट लैंप और सेल्फ-बैलास्टेड एलईडी लैंप पर स्टार-रेटिंग अनिवार्य थी। अधिकारी ने बताया कि अब इन उपकरणों के लिए नियम पहले से अधिक ऊर्जा दक्षता सुनिश्चित करने के लिए अद्यतन किए गए हैं।

वैष्णो देवी मंदिर बोर्ड तीर्थयात्रियों के लिए सुविधाओं को बेहतर बनाने को प्रतिबद्ध : कुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कटरा/जम्मू/भाषा। जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में त्रिकुटा पहाड़ियों की चोटी पर स्थित वैष्णो देवी मंदिर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) सचिन कुमार वैश्य ने बुधवार को कहा कि तीर्थयात्रियों के लिए सुविधाओं और व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के लिए मंदिर बोर्ड लगातार काम कर रहा है। उन्होंने नव वर्ष समारोह के अवसर पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ पर संतोष व्यक्त किया और कहा कि आवास, सुरक्षा और सुगम दर्शन सहित पर्याप्त व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं ताकि तीर्थयात्रियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

वैश्य ने कहा कि भवन (मंदिर परिसर) में हाल ही में शुरू किए गए 'साधना कक्ष' (ध्यान कक्ष) को उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिली है।

श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड ने 13 दिसंबर को 'साधना कक्ष' को श्रद्धालुओं के लिए शुरू कर दिया ताकि यात्रा के दौरान प्रार्थना और ध्यान करने के लिए उन्हें (श्रद्धालुओं) एक स्थान मिल सके।

वर्ष 2025 में पवित्र तीर्थस्थल पर आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या 70 लाख से नीचे रही।

अधिकारियों के अनुसार, इस वर्ष अब तक 69 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने मंदिर में दर्शन किए।

पिछले वर्ष तीर्थयात्रियों की संख्या 94.84 लाख से अधिक थी। इस तरह, लगभग 27 प्रतिशत की गिरावट सुरक्षा से जुड़ी घटनाओं और लंबे समय तक खराब मौसम की संयुक्त मार को रेखांकित करती है, जिससे क्षेत्र में धार्मिक पर्यटन प्रभावित हुआ।

कटरा में बुधवार को संवाददाताओं से बातचीत में मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) ने कहा, पिछले कुछ दिनों में श्रद्धालुओं की संख्या में बढ़ोतरी देखने को मिली है, जो उत्साहजनक है। हमें उम्मीद है कि वर्ष 2026 में श्रद्धालुओं की संख्या और बढ़ेगी।

गोवा में तीसरे जिले का नाम कुशावती रखा जाएगा : मुख्यमंत्री सावंत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पणजी/भाषा। गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने बुधवार को कहा कि राज्य में प्रस्तावित तीसरे जिले का नाम 'कुशावती' रखा जाएगा, जो इस क्षेत्र से होकर बहने वाली नदी के नाम पर है। उन्होंने कहा कि यह देश के लिए एक महत्वाकांक्षी जिला बनेगा। वर्तमान में, गोवा में दो जिले हैं - उत्तरी गोवा और दक्षिणी गोवा।

मुख्यमंत्री ने संवाददाताओं से कहा कि नए जिले में चार तालुका - धारबंदोरा, क्रेपेम, सांगुएम और कनाकोना - शामिल होंगे, जो वर्तमान में दक्षिण गोवा का हिस्सा हैं।

सावंत ने कहा, ''नए जिले के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचा उपलब्ध होने तक नए जिले के सभी प्रशासनिक कार्य दक्षिण गोवा जिले से संचालित किए जाएंगे।'' उन्होंने बताया कि नए जिले का नाम कुशावती नदी के नाम पर रखा जाएगा, जो गोवा के इन हिस्सों में बहती है। सावंत के अनुसार जब तक नए जिले में पूर्णकालिक जिलाधिकारी की नियुक्ति नहीं हो जाती, तब तक दक्षिण गोवा जिले के जिलाधिकारी यह जिम्मेदारी संभालेंगे।

सावंत ने कहा कि क्रेपेम शहर नए जिले का मुख्यालय होगा, जिसे कैनकोना और धारबंदोरा जैसे क्षेत्रों से उचित बस सेवा के माध्यम से जोड़ा जाएगा ताकि लोगों को असुविधा न हो।

मुख्यमंत्री ने कहा, ''देश के आकांक्षी जिलों को केंद्र सरकार से 15 करोड़ रुपए की अतिरिक्त धनराशि मिलती है। इसलिए, 27 प्रतिशत आदिवासी आबादी वाले इस नए जिले के बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए भी केंद्र सरकार से विशेष धनराशि का अनुरोध किया जाएगा।''

भारत ने कुछ इस्पात उत्पादों पर तीन साल के लिए रक्षोपाय शुल्क लगाया

नई दिल्ली/भाषा। भारत ने घरेलू इस्पात उद्योग को सस्ते विदेशी आयात से होने वाले नुकसान से बचाने के लिए कुछ चुनिंदा इस्पात उत्पादों पर तीन साल के लिए रक्षोपाय शुल्क लगा दिया है। वित्त मंत्रालय की अधिसूचना में कहा गया है कि पहले वर्ष में 12 प्रतिशत शुल्क लगाया जाएगा, जो 21 अप्रैल 2025 से 20 अप्रैल 2026 तक लागू रहेगा।

अधिसूचना के अनुसार, दूसरे वर्ष में यह शुल्क घटाकर 11.5 प्रतिशत कर दिया जाएगा, जो 21 अप्रैल 2026 से 20 अप्रैल 2027 तक लागू रहेगा। वहीं, तीसरे वर्ष में इसे और घटाकर 11 प्रतिशत कर दिया जाएगा, जो 21 अप्रैल 2027 से 20 अप्रैल 2028 तक प्रभावी रहेगा।

यह शुल्क व्यापार उपचार महानिदेशालय (डीजीटीआर) की सिफारिश के बाद लगाया गया है।

इससे पहले, इसी वर्ष अप्रैल में सरकार ने इन इस्पात उत्पादों पर 200 दिनों के लिए 12 प्रतिशत की अस्थायी रक्षोपाय शुल्क लगाया था।

पिछले साल दिसंबर में, डीजीटीआर ने 'नॉन-एलॉय और एलॉय स्टील फ्लैट प्रोडक्ट्स' के आयात में अचानक बढ़ोतरी की जांच शुरू की थी। ये उत्पाद फैब्रिकेशन, पाइप विनिर्माण, निर्माण कार्य, पूंजीगत उपकरण, वाहन विनिर्माण, ट्रैक्टर, साइकिल और विद्युत पैनल आदि जैसे विभिन्न उद्योगों में उपयोग किए जाते हैं।

दिल्ली में एक घर से पांच करोड़ रुपए नकद और आठ करोड़ रुपए के आभूषण बरामद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बुधवार को दिल्ली के एक घर में तलाशी के दौरान 5.12 करोड़ रुपए नकद और 8.80 करोड़ रुपए के सोने तथा हीरे के आभूषणों से भरा एक सूटकेस बरामद किया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

अधिकारियों के मुताबिक ईडी ने तलाशी के दौरान इसके अलावा 35 करोड़ रुपए की संपत्ति से जुड़े दस्तावेज भी बरामद किए।

ईडी द्वारा दक्षिण दिल्ली के सर्वप्रिया विहार स्थित घर पर यह छापेमारी हरियाणा के फरार अपराधी इंदरजीत सिंह यादव से जुड़े धनशोधन मामले की जांच के सिलसिले में की गई है। ईडी के मुताबिक इंदरजीत सिंह यादव संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से सक्रिय है।

ईडी के अधिकारियों ने बताया कि यह घर यादव के कथित सहयोगी अमन कुमार नामक एक व्यक्ति का है, और मंगलवार से शुरू हुई छापेमारी जारी है।

महाराष्ट्र में धर्मांतरण के प्रयास को लेकर केरल के पादरी समेत आठ लोग गिरफ्तार

अमरावती/भाषा। महाराष्ट्र के अमरावती जिले की पुलिस ने लोगों को ईसाई धर्म अपनाने के लिए पैसे देने की पेशकश करके धार्मिक भावनाएं आहत करने के आरोप में आठ लोगों को बुधवार को गिरफ्तार कर लिया। अधिकारियों ने बताया कि गिरफ्तार किए गए लोगों में केरल निवासी एक पादरी और चार महिलाएं शामिल हैं।

केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने मलयाली ईसाई पादरी, उनके परिवार और सहयोगियों की गिरफ्तारी को अत्यंत चिंताजनक करार दिया और ध्रुवीकरण को बढ़ावा देने के लिए अल्पसंख्यकों को निशाना बनाने के चिंताजनक चलन के लिए संघ परिवार की आलोचना की। अमरावती से 80 किलोमीटर दूर वरूड के निवासी लक्ष्मण शेडे ने मंगलवार को शिकायत दर्ज कराई थी।

शिकायत के अनुसार पांच-छह लोग 30 दिसंबर को स्थानीय निवासी रीतेश बोंडरे के घर आए और उनके घर के सामने एक पंडाल लगा दिया। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि सफेद कपड़े पहने एक व्यक्ति गांव के लोगों को ईसाई धर्म के बारे में उपदेश देने लगा और धर्मांतरण के लिए पैसे का लालच दिया।

शिकायत के आधार पर बेनोडा थाने के प्रभारी घटनास्थल पर पहुंचे और आठ आरोपियों को पूछताछ के लिए थाने ले गए।

पुलिस ने कहा कि आठ आरोपियों की पहचान बोंडरे, आनंदकुमार करीं, सुधीर विलियम, विक्रम सांडे और चार महिलाओं के रूप में हुई है।पुलिस सूत्रों ने कहा कि केरल का निवासी विलियम एक पादरी है।

सरकार ने वोडाफोन-आइडिया को बकाया भुगतान से दी पांच साल की मोहलत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने वोडाफोन-आइडिया के लिए एक बड़े राहत पैकेज को बुधवार को मंजूरी दी। इसके तहत उसके बकाया भुगतान से पांच साल की मोहलत दी गई है। इससे कर्ज में फंसी दूरसंचार कंपनी को बड़ी राहत मिली है।

निर्णय से अवगत सूत्रों ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने वोडाफोन-आइडिया लिमिटेड (वीआईएल) के 87,695 करोड़ रुपए के समायोजित सकल राजस्व (एजीआर) बकाया पर रोक लगाने पर सहमति जतायी है जिसे संकटग्रस्त कंपनी को वित्त वर्ष से 2031-32 से 2040-41 तक चुकाना होगा।

एजीआर बकाया से तात्पर्य समायोजित सकल राजस्व (एजीआर) के आधार पर दूरसंचार कंपनियों द्वारा सरकार को देय भुगतान से है। यह वह राजस्व है जिस पर दूरसंचार संचालकों को लाइसेंस शुल्क और स्पेक्ट्रम उपयोग शुल्क का भुगतान करना होता है।

इसमें सभी राजस्व शामिल हैं यहां तक कि गैर-दूरसंचार आय (जैसे ब्याज, किराया, परिसंपत्ति बिक्री) भी।

सूत्रों ने कहा कि इन बकाया राशियों के अलावा वित्त वर्ष 2017-18 और वित्त वर्ष 2018-19 से संबंधित एजीआर बकाया (जिसे उच्चतम न्यायालय के 2020 के आदेश द्वारा पहले ही अंतिम रूप दिया जा चुका है) वोडाफोन-आइडिया द्वारा वित्त वर्ष 2025-26 से वित्त वर्ष 2030-31 के दौरान बिना किसी बदलाव के देय होगा।

वोडाफोन-आइडिया लंबे समय से वित्तीय संकट से जूझ रही है, जिसका मुख्य कारण कड़ी मूल्य प्रतिस्पर्धा, अत्यधिक कर्ज और एजीआर की परिभाषा में बदलाव के कारण उत्पन्न भारी देनदारियां हैं।

कंपनी लगातार घाटे, घटते ग्राहक आधार और नेटवर्क विस्तार में निवेश करने की सीमित क्षमता से जूझ रही है जबकि प्रतिद्वंद्वी कंपनियां 4जी और 5जी नेटवर्क को तेजी से पेश कर रही हैं।

इसरो ने श्रीहरिकोटा में एसएसएलवी के तीसरे चरण का स्थैतिक परीक्षण किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र (एसडीएससी) की 'सॉलिड मोटर स्टैटिक टेस्ट फैसिलिटी' में लघु उपग्रह प्रक्षेपण यान (एसएसएलवी) के तीसरे चरण के उन्नत संस्करण का सफल स्थैतिक परीक्षण किया है। इसरो ने बताया कि यह परीक्षण मंगलवार को किया गया। इसरो ने एक बयान में कहा कि एसएसएलवी इसरो द्वारा विकसित तीन-चरणीय, पूर्णत: ठोस-ईंधन प्रक्षेपण यान है जिसे औद्योगिक उत्पादन के अनुकूल बनाया गया है और यह दो प्रक्षेपणों के बीच कम समय में तैयारी पूरी कर मांग के अनुसार प्रक्षेपण की जरूरतें पूरी कर सकता है।

इसमें कहा गया, ऊपरी चरण या तीसरे चरण की ठोस मोटर, प्रक्षेपण यान को चार किलोमीटर प्रति सेकंड तक का वेग प्रदान करती है और चरण के निष्क्रिय द्रव्यमान को सीमित करने के लिए इसमें मोनोलिथिक कंपोजिट मोटर केस' तथा 'फ्री-स्टैंडिंग नोजल डाइवर्जेंट' का उपयोग किया गया है। अंतरिक्ष एजेंसी ने कहा कि स्थैतिक परीक्षण ने लघु उपग्रह प्रक्षेपण यान के चरण-तीन (एसएस3) के उस उन्नत संस्करण को मान्य किया जिसमें कार्बन-एपॉक्सी मोटर केस लगाया गया है। इससे चरण का द्रव्यमान उल्लेखनीय रूप से कम हुआ है और इसके परिणामस्वरूप एसएसएलवी की पेलोड क्षमता 90 किलोग्राम बढ़ी है। इसरो ने स्पष्ट किया, इस चरण में 'इग्नाइटर' और 'नोजल' प्रणाली के लिए भी उन्नत डिजाइन का इस्तेमाल किया गया है जिससे प्रणाली अधिक दक्ष और मजबूत बनती है। इसमें कहा गया कि उच्च-शक्ति कार्बन फिलामेंट लपेटकर तैयार किए गए मोटर केस को विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र (वीएसएससी) की कंपोजिट्स इकाई में तैयार किया गया और सॉलिड मोटर को सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र (एसडीएससी) में सॉलिड मोटर उत्पादन सुविधाओं में ढाला गया था।

बयान में कहा गया, 108 सेकंड की परीक्षण अवधि के दौरान सभी मापदंडों को अनुमान के करीब पाया गया। इस सफल स्थैतिक परीक्षण के साथ एसएस3 मोटर का उन्नत संस्करण प्रक्षेपण में शामिल किए जाने के लिए योग्य ठहराया गया है। इसरो के अनुसार, इस वर्ष देश में अंतरिक्ष कार्यक्रम के लिए ठोस मोटर की निर्माण क्षमता बढ़ाने के लिए कई सुविधाएं शुरू की गई हैं। बयान के अनुसार, क्षमता बढ़ाने के लिए जुलाई 2025 में श्रीहरिकोटा में सॉलिड मोटर उत्पादन सुविधाएं शुरू की गईं। इसमें कहा गया कि ठोस मोटर के लिए आवश्यक प्रमुख घटक के उत्पादन को दोगुना करने के लिए सितंबर 2025 में अलुवा स्थित अमोनियम परक्लोरेट संयंत्र में अमोनियम परक्लोरेट का उत्पादन शुरू किया गया है।

इस वर्ष एसडीएससी में सॉलिड मोटर उत्पादन के लिए 10 टन का स्वदेशी वर्टिकल मिक्सर' भी शुरू किया गया, जो दुनिया का सबसे बड़ा ठोस प्रणोदक मिश्रण उपकरण है। सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र की ठोस मोटर उत्पादन एवं स्थैतिक परीक्षण (एसएमपीएसटी) सुविधाओं ने एक भारतीय अंतरिक्ष स्टार्ट-अप द्वारा विकसित प्रक्षेपण यान की पहली कक्षीय उड़ान के लिए ठोस मोटर का निर्माण भी किया है और उसका स्थैतिक परीक्षण भी किया है।

अत्याचार के मामले में 'बेहतर दलील' के बदले रिश्वत लेने के आरोप में विशेष लोक अभियोजक गिरफ्तार

कलबुर्गी (कर्नाटक)। स्थानीय अदालत में लंबित अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति अत्याचार मामले में 'बेहतर दलील' पेश करने के बदले रिश्वत लेने के आरोपी विशेष लोक अभियोजक को लोकायुक्त अधिकारियों ने गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। तेलंगाना के विकाराबाद जिले के कंदनुली गांव निवासी नवीन ने इस संबंध में शिकायत दर्ज कराई थी जिसके आधार पर यह मामला दर्ज किया गया था। शिकायत में आरोप लगाया गया कि विशेष लोक अभियोजक (एसपीपी) के रूप में नियुक्त अधिवक्ता ने रिश्वत की मांग की थी।

अधिकारियों के अनुसार द्वितीय अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश (एडीजे) न्यायालय, कलबुर्गी में एसपीपी के रूप में कार्यरत राजमहेंद्र जी. ने अत्याचार के एक मामले में बेहतर दलील पेश करने बदले 50,000 रुपये की रिश्वत की मांग की थी। लोकायुक्त अधिकारियों ने बताया कि आरोपी ने पहले ही शिकायतकर्ता से 20,000 रुपये ले लिए थे और शेष राशि की मांग कर रहा था।

शिकायत पर कार्रवाई करते हुए लोकायुक्त की टीम ने मंगलवार सुबह जाल बिछाया और इस दौरान आरोपी ने कथित तौर पर 25,000 रुपये नकद लिए। आरोपी को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया और उसके पास से 25,000 रुपये नकद बरामद किए गए। अधिकारियों ने बताया कि मामले की जांच जारी है।

जद (एस) ने राज्यपाल से घृणास्पद भाषण विधेयक को मंजूरी नहीं देने का आग्रह किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जनता दल (सेक्युलर) के नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार को कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत से घृणास्पद भाषण पर रोक संबंधी विधेयक को मंजूरी न देने का अनुरोध किया और इसे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर अनुचित प्रतिबंध बताया। जद(एस) विधायकों और नेताओं के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व पार्टी विधानमंडल दल के नेता सुरेश बाबू ने किया।

कर्नाटक राज्य विधानमंडल के दोनों सदनों ने भाजपा और जद(एस) के कड़े विरोध के बावजूद, बेलगावी में शीतकालीन सत्र के दौरान घृणास्पद भाषण और घृणा अपराध (रोकथाम) विधेयक पारित कर दिया। अब इसे राज्यपाल की मंजूरी के लिए भेजा जाएगा, ताकि यह विधेयक कानून बन सके। सत्र का 19 दिसंबर को समापन हुआ था। पार्टी ने राज्यपाल को दिए ज्ञापन में कहा, जद (एस) विधानमंडल पार्टी के सदस्य और पदाधिकारी, आपसे विनम्रतापूर्वक यह अनुरोध करते हैं कि आप कर्नाटक घृणास्पद भाषण और घृणा अपराध (रोकथाम) विधेयक, 2025 को मंजूरी न दें। यह अनुरोध भारत के संविधान के अनुच्छेद 200 के तहत आपको प्रदत्त संवैधानिक विवेकाधिकार के तहत किया जा रहा है।''

उन्होंने कहा कि विधेयक अपने वर्तमान स्वरूप में भारतीय संविधान के अनुच्छेद 19(1)(ए) द्वारा गारंटी प्रदत्त वाक और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के मौलिक अधिकार के लिए एक महत्वपूर्ण खतरा पैदा करता है। जद(एस) नेताओं ने ज्ञापन में कहा, हम आपसे अनुरोध करते हैं कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर अनुचित प्रतिबंध, असहमति की आवाजों को दबाने के लिए प्रावधानों का संभावित दुरुपयोग और संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन जैसी चिंताओं के कारण विधेयक को मंजूरी न दें। पार्टी ने कर्नाटक विधानमंडल में विधेयक पारित किए जाने में हुई प्रक्रियात्मक अनियमितताओं को भी उजागर किया।

जद(एस) नेताओं ने कहा, लगातार विरोध प्रदर्शन और हंगामे के बीच, सीमित चर्चा और स्पष्ट मतदान प्रक्रिया के बिना विधेयक को पारित घोषित कर दिया गया। ऐसी प्रक्रियाएं विधायी मानदंडों और लोकतांत्रिक विचार-विमर्श के सिद्धांतों को कमजोर करती हैं।

दक्षिण पश्चिम रेलवे
निविदा सूचना संख्या. एचई-टीआरडी-2025-26-ओटी-37 दिनांक 26.12.2025
भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं।

क्र.सं.	कार्य की मद	अनुमानित लागत
1.	हुबली मंडल के एलसी गेटों की इंटरलॉकिंग के लिए सहायक ट्रांसफार्मर	रू. 20455859.42

निविदाएँ जमा करने की अंतिम तिथि 19.01.2026 को 11.30 बजे तक
विस्तृत विवरणों के लिए लॉग ऑन करें : www.ireps.gov.in
वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता/टीआरडी हुबली
PUB/786/AAD360/PRB/SWR/2025-26
अनारक्षित टिकटों की बुकिंग में आसानी के लिए Google Play Store से UTS मोबाइल ऐप डाउनलोड करें।
South Western Railway - SWR SWRRLY SWRRLY

कर्नाटक में मिनी बांग्लादेश बना रहे हैं : आर. अशोक

राज्य में लगभग 4 लाख लोग अनधिकृत घरों के कारण बिना बिजली कनेक्शन के रह रहे हैं। जबकि हमारे राज्य के टैक्सपेयर्स बिना बिजली कनेक्शन के रह रहे हैं, यहां वे महंगे केबल जोड़कर बिजली का इस्तेमाल कर रहे हैं। उन्होंने पूछा क्या ये लोग सिद्दरामय्या के रिश्तेदार हैं?

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक ने कहा कि सिद्दरामय्या की कांग्रेस सरकार एक टोपी वाली सरकार है; वे इतने लंबे समय से कर्नाटक के कन्नड़ लोगों को टोपी पहना रहे हैं और आज कर्नाटक में एक मिनी बांग्लादेश बना रहे हैं। उन्होंने बुधवार को येलहंका में कोगिलु बारंगे का दौरा करते हुए मीडिया से बात की, जहां अतिक्रमण के कारण अवैध निवासियों को निकाला गया था। उन्होंने आलोचना की कि इस सरकार के सत्ता में आने के बाद कर्नाटक मिनी बांग्लादेशियों का ठिकाना बन रहा है। उन्होंने पूछा कि ये लोग कौन हैं? वे कहां से आए हैं? गूगल मैप्स के अनुसार, एक साल पहले यहां कोई घर नहीं था। अब घर हैं। उन सभी को आए हुए छह महीने भी नहीं हुए हैं। उन सभी को बिजली कनेक्शन कैसे दिए गए?

राज्य में लगभग 4 लाख लोग अनधिकृत घरों के कारण बिना बिजली कनेक्शन के रह रहे हैं। जबकि हमारे राज्य के टैक्सपेयर्स बिना बिजली कनेक्शन के रह रहे हैं, यहां वे महंगे केबल जोड़कर बिजली का इस्तेमाल कर रहे हैं। उन्होंने पूछा क्या ये लोग सिद्दरामय्या के रिश्तेदार हैं? उनका कहना है कि वे सभी आंध्र प्रदेश के पेनुगोंडा से आए हैं। वे कहते हैं कि वे 28 साल के हैं। अगर वे वहां 25-26 साल से रह रहे हैं, तो वे 2 साल से यहां कैसे आ गए?

यह लगभग 600 करोड़ की ज़मीन है। उन्होंने पूछा कि सरकार इसे किस कानून के तहत देगी। बाढ़ के कारण राज्य में 13 हज़ार घर गिर गए हैं। लेकिन, कर्नाटक के किसानों को अभी तक छत नहीं मिली है। 2400 स्कूलों की चादरें उड़ गई हैं।वे ऐसी स्थिति में हैं जहां उन्हें बिना किसी व्यवस्था के पेड़ों के नीचे पढ़ाना पड़ रहा है। उन्होंने सिर्फ़ दो दिनों में उन्हें मल्टी-स्टोरी घरों में जगह देने के लिए उनकी आलोचना की। वे नए साल पर बांग्लादेशियों को तोहफ़े देते हैं। आप कन्नड़ लोगों को क्या देते हैं? क्या आप उन्हें चिप्स दे रहे हैं? उन्होंने उन पर आरोप लगाया कि ये सभी क्राइम हॉटस्पॉट हैं।

विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवादी नारायणस्वामी ने वेणुगोपाल की आलोचना की, जिन्होंने ट्वीट किया था कि पिनाराई विजयन ने अपने सांसदों को भेजने के बाद अचानक यू-टर्न ले लिया है। उन्होंने शिकायत की कि मंत्री आए और यहां रहने वाले बांग्लादेशियों को हटा दिया। उन्होंने मांग की कि केस एनआईए को सौंप दिया जाए और ओरिजिनल डॉक्यूमेंट्स की जांच की जाए।राज्य में 38 लाख लोगों ने घर के लिए आवेदन किया है और घर का इंतजार कर रहे हैं। बेंगलूरु में 40 जगहों पर गैर-कानूनी घर हटाए गए हैं, लेकिन एक भी घर नहीं दिया गया है। अगर सभी गरीबों को घर नहीं दिया जा रहा है तो उनमें क्या खास है? उन्होंने मांग की कि वे उन्हें कारण बताएं। उन्होंने कहा, उन्हें भी घर दो। पहले यह पूरा मामला एनआईए को दो। फिर रिपोर्ट आने के बाद कार्रवाई करो।

पूर्व उपमुख्यमंत्री और विधायक डॉ. सी. एन. अश्वनाथनारायण ने कहा कि देश, कर्नाटक और बेंगलूरु की सुरक्षा को खतरा है। चिंता भी है। उन्होंने इस बात पर एतराज़ जताया कि सरकार गैर-बांग्लादेशी बताकर छिपाने की कोशिश कर रही है। उन्होंने मांग की कि बांग्लादेशियों की पहचान करके उन्हें इस देश से बाहर भेजने का काम पहले किया जाना चाहिए। यहां कोई मलयाली नहीं है; लेकिन, केरल ने करवट ली है। वे बांग्लादेश से पश्चिम बंगाल आए और फिर केरल आए और यहां आ गए। उन्होंने पूछा, यहां वसीम नगर है, फकीर नगर है। क्या वसीम स्वतंत्रता सेनानी थे? उन्होंने शिकायत की कि सरकार सत्ता के लिए कुछ भी नहीं कर सकते है। इस मौके पर भाजपा केराज्य सचिव एचसी तम्मेश गौड़ा, बेंगलूरु उत्तर जिला अध्यक्ष एस हरीश सहित अनेक पार्टी नेता उपस्थित थे।

भाजपा का बांग्लादेश के अवैध प्रवासियों के पुनर्वास का दावा राजनीतिक बयानबाजी : डॉ. परमेश्वर

बेंगलूरु। कर्नाटक के गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने बुधवार को विपक्षी भाजपा के इस दावे को राजनीतिक बयानबाजी करार दिया कि सरकार कोगिलू में अधिकारियों द्वारा ध्वस्त किए गए घरों में रहने वालों के पुनर्वास के नाम पर अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों को घर आवंटित कर रही है। परमेश्वर ने कहा कि दस्तावेजों के उचित सत्यापन के बाद राहत मानवीय आधार पर प्रदान की जा रही है और यह भी पुष्टि की जा रही है कि वे स्थानीय निवासी हैं। परमेश्वर ने एक सवाल के जवाब में कहा, उन्हें (भाजपा को) विरोध करने दीजिए, लेकिन यह कहना सही नहीं है कि वहां बांग्लादेशी हैं। क्या हम सत्यापन नहीं करते? उचित सत्यापन के बाद ही मकान आवंटित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा, यदि वहां बांग्लादेशी नागरिक हैं, तो क्या उन्हें घर दिए जाएंगे? उन्हें गिरफ्तार कर सीमा पर छोड़ दिया जाएगा। हम उनके दूतावास को सूचित करेंगे और उन्हें निर्वासित कर देंगे।परमेश्वर ने पत्रकारों से कहा, अगर वे (अवैध बांग्लादेशी प्रवासी) किसी भी आपराधिक गतिविधि में शामिल पाए जाते हैं, तो उन्हें गिरफ्तार कर जेल में डाल दिया जाएगा।

नारायण गुरु के दर्शन बहुसंख्यकवाद और असमानता को चुनौती देता है: सिद्दरामय्या

वरकला। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने बुधवार को कहा कि संत एवं समाज सुधारक श्री नारायण गुरु का दर्शन धार्मिक बहुलतावाद, समानता के बिना सांस्कृतिक राष्ट्रवाद और न्याय के बिना राजनीतिक पहचान को सीधे तौर पर खारिज करता है। यहां गुरु द्वारा स्थापित शिवगिरी मठ में 93वें शिवगिरी तीर्थ सम्मेलन में मुख्य अतिथि सिद्दरामय्या ने इस बात पर अफसोस जताया कि 'आज का भारत एक विरोधाभास का सामना कर रहा है, जहां हम आर्थिक विकास, डिजिटलीकरण के विस्तार और वैश्विक स्तर पर प्रभाव का दावा करते हैं, लेकिन हमारी सामाजिक एकजुटता कमजोर हो रही है और नफरत आम होती जा रही है'। कर्नाटक के मुख्यमंत्री ने कहा कि यह कोई संयोग नहीं था कि गुरु से मिलने के बाद महात्मा गांधी ने छुआछूत के खिलाफ अपना रुख और कड़ा कर लिया था और वह सादा जीवन जीने के पक्ष में आ गए थे।

IEPF SEBI
CDSL Convenient • Dependable • Secure NSDL Technology, Trust & Reach BSE NSE
विनिधानकर्ता शिक्षा और संरक्षण निधि प्राधिकरण (IEPFA)
(कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय, भारत सरकार)
सार्वजनिक सूचना
निवेशक शिविर
विनिधानकर्ता शिक्षा और संरक्षण निधि प्राधिकरण (IEPFA), जो कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय के अधीन है और भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (SEBI) के सहयोग से कार्य करता है, निवेशक शिविर प्रारंभ कर रहा है — यह एक विशेष पहल है जिसका उद्देश्य देशभर के दावेदारों की शिकायतों और प्रश्नों का समाधान करना है।
उद्देश्य
निवेशक शिविर का उद्देश्य निवेशक सेवाओं को सरल बनाना, वित्तीय साक्षरता को बढ़ावा देना और निवेशक संरक्षण को मजबूत करना है:
• 6-7 वर्षों से लावारिस लाभांश के हस्तांतरण को सुगम बनाना।
• कंपनी के साथ केवाईसी (KYC) और नामांकन अपडेट में सहायता करना।
• अप्राप्त और अवितरित शेयरों एवं लाभांश से संबंधित लंबित IEPFA दावों का निवारण करना।
निर्धारित शहर
इस दृष्टि को आगे बढ़ाने के लिए, निवेशक शिविर को बेंगलुरु में आयोजित किया जा रहा है ।
कार्यक्रम का विवरण
तिथि/समय: 03rd जनवरी 2026, सुबह 10:00 बजे से शाम 4:00 बजे तक
स्थान: श्री वाई मुनिस्वामप्पा कल्याण मंडप,
17, तुमकुर रोड, गोपाल थिएटर के पास, डॉ. अंबेडकर नगर, यशवंतपुर, बेंगलुरु, कर्नाटक 560022
कैसे भाग लें
कृपया इस सूचना में दिए गए क्यूआर कोड को स्कैन करके या निम्न लिंक पर क्लिक करके पंजीकरण करें:https://qr.me-qr.com/l/NiveshakShivir
यह पंजीकरण हमें सुनिश्चित करने में मदद करेगा कि आपको निवेशक शिविर में उचित और समय पर सहायता प्राप्त हो।
अधिक जानकारी के लिए
कृपया हमारी आधिकारिक वेबसाइट देखें: www.iepf.gov.in और नवीनतम अपडेट और घोषणाओं के लिए हमें सोशल मीडिया चैनलों पर फ़ॉलो करें।
हम सभी दावेदारों से आग्रह करते है कि इस अवसर का लाभ उठाएँ और सीधे हमारे विशेषज्ञों से अपनी चिंताओं का समाधान करें। आपकी भागीदारी हमें बेहतर सेवा और सहयोग प्रदान करने में सहायक होगी।
टोल फ्री नंबर: 14453 | कॉल सेंटर: सोमवार से शुक्रवार, सुबह 9:00 बजे से शाम 5:30 बजे तक
www.iepf.gov.in
CBC 07110/12/0011/2526

भजनलाल शर्मा डीग के दो दिवसीय दौरे पर, गिरिराज जी की पैदल परिक्रमा कर प्रदेश की खुशहाली की कामना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भरतपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा डीग जिले के दो दिवसीय दौरे पर हैं। बुधवार को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा हेलीकॉप्टर से पूंछरी पहुंचे, जहां उन्होंने गिरिराज जी महाराज की पैदल परिक्रमा की शुरुआत की। धार्मिक आस्था और श्रद्धा के बीच मुख्यमंत्री ने गिरिराज जी की 5 पट्टा परिक्रमा भी लगाई। इस दौरान मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने श्रीनाथजी मंदिर पहुंचकर विधिवत पूजा-अर्चना की। इसके पश्चात वे मुखारविंद पहुंचे, जहां भी उन्होंने पूजा-अर्चना कर प्रदेश की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। मुख्यमंत्री ने श्रीनाथजी मंदिर से 21 कोस की परिक्रमा का शुभारंभ किया। पूंछरी पहुंचने पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का जोरदार स्वागत एवं सत्कार किया। वहीं मुख्यमंत्री के दौरे को लेकर पुलिस एवं प्रशासन पूरी तरह सतर्क नजर आया और सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए। पूरे परिक्रमा मार्ग पर चाक-चौबंद सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखी गई है।

टोंक में कार से 150 किलो अमोनियम नाइट्रेट बरामद, दो लोग गिरफ्तार

टोंक। राजस्थान के टोंक जिले की पुलिस ने एक कार से 150 किलोग्राम विस्फोटक सामग्री, 200 कारतूस और सेफ्टी फ्यूज तार के छह बंडल जब्त कर दो लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, प्रारंभिक जांच में संकेत मिले हैं कि यह विस्फोटक सामग्री अरावली क्षेत्र में अवैध खनन स्थलों पर विस्फोट के लिए ले जाई जा रही थी। उसने बताया कि जब्त सामग्री के स्रोत, इसे कहां ले जाया जा रहा था, संभावित उपयोग और किसी आपराधिक नेटवर्क से संबंधों का पता लगाने के लिए जांच जारी है।

आरोपियों की पहचान बूंदी जिले के निवासी सुरेंद्र पटवा और सुरेंद्र मोची के रूप में हुई है। टोंक पुलिस उपाधीक्षक (नगर) मृत्युंजय मिश्रा ने बताया कि आरोपी विस्फोटक सामग्री को बूंदी से टोंक ले जा रहे थे। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय राजमार्ग-52 (टोंक-जयपुर) पर गश्त के दौरान जब पुलिस ने उन्हें पकड़ा तो आरोपियों ने दावा किया कि वे बोरियों में कृषि उपयोग के लिए खाद ले जा रहे हैं। हालांकि, तलाशी लेने पर बोरियों में खाद के बजाय अमोनियम नाइट्रेट पाया गया। पुलिस ने बताया कि अमोनियम नाइट्रेट के अलावा 200 कारतूस और लगभग 1,100 मीटर लंबाई के सेफ्टी फ्यूज तार के छह बंडल भी बरामद किए गए हैं।

उसने बताया कि विस्फोटक सामग्री ढोने के लिए इस्तेमाल की गई कार को भी जब्त कर लिया गया है। मिश्रा ने बताया कि खुफिया सूचना मिलने के बाद तुरंत पुलिस हरकत में आई। नए साल की पूर्व संध्या पर बड़े पैमाने पर इस बरामदगी से क्षेत्र में उत्सवों से पहले दहशत का माहौल बन गया। अमोनियम नाइट्रेट खुली खदानों और पत्थर की खानों में विस्फोट के लिए इस्तेमाल होने वाले औद्योगिक विस्फोटकों का प्रमुख घटक है। इसकी ऊर्जा क्षमता के कारण इसके भंडारण, प्रबंधन और परिवहन पर कड़े नियम लागू हैं। नियंत्रित परिस्थितियों में खनन कार्यों के लिए कानूनी तौर पर इसका उपयोग किया जाता है।

केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं से किसानों की आय में हो रही उल्लेखनीय वृद्धि : श्रीनिवास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। प्रदेश के किसान केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ उठाकर नवाचार को अपना रहे हैं, जिससे उनकी आमदनी में निरंतर वृद्धि हो रही है और किसानों की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ हो रही है। यह बात मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने राज्य कृषि अनुसंधान संस्थान (आरएआरआई), दुर्गापुरा, जयपुर के भ्रमण के दौरान कही। मुख्य सचिव ने रारी कैंपस, कृषि फील्ड एवं श्याम दुर्गापुरा का दौरा कर कृषि क्षेत्र में हो रहे सकारात्मक और व्यापक परिवर्तनों की सराहना की। उन्होंने कहा कि आज का किसान आधुनिक तकनीकों को तेजी से अपना रहा है, जिससे राज्य सरकार की कृषि नीतियां धरातल पर सफल साबित हो रही हैं। श्रीगंगानगर में स्थापित गाजर मंडी को उन्होंने किसानों की आय बढ़ाने की दिशा में एक सफल प्रयोग बताया।

श्याम ऑडिटोरियम में आयोजित संवाद कार्यक्रम में मुख्य सचिव ने प्रदेशभर से आए प्रगतिशील कृषकों एवं कृषि विभाग के अधिकारियों से मुलाकात की। उन्होंने किसानों की सफलता की कहानियों, कृषि नवाचारों और जमीनी स्तर पर आ रही चुनौतियों पर विस्तार से चर्चा की तथा समस्याओं के समाधान का आश्वासन दिया।

मुख्य सचिव ने किसानों से आगामी वर्ष आयोजित होने वाली ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट-2026 (ग्राम) में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि तीन दिवसीय इस राज्य स्तरीय आयोजन में 50 हजार से अधिक किसानों के भाग लेने की संभावना है। ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट (ग्राम) का उद्देश्य कृषि में नवाचार, स्मार्ट फार्मिंग, आधुनिक तकनीकों के प्रसार और निवेश को प्रोत्साहित करना है, जिससे राजस्थान कृषि निर्यात के क्षेत्र में अग्रणी बन सके।

मुख्य सचिव ने किसानों की क्षमता संवर्धन के लिए विदेश भ्रमण को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि राज्य सरकार के नॉलेज एन्हांसमेंट प्रोग्राम के तहत किसानों का एक दल पहले ही विदेश भ्रमण कर चुका है। शीघ्र ही दूसरा दल भी उन्नत कृषि तकनीकों की जानकारी प्राप्त करने के लिए विदेश भेजा जाएगा, जिससे किसान अपनी उपज और उत्पादकता बढ़ा सकें। उन्होंने प्रगतिशील किसानों से सरसों, जैविक खेती, जीरा, पानमेथी, ईसबगोल, अनार, सीताफल, आंवला, लहसुन, गाजर, शिमला मिर्च, गुलाब, औषधीय पौधों और मधुमक्खी पालन जैसे विषयों पर विस्तार से जानकारी ली।आरएआरआई के भ्रमण के दौरान मुख्य सचिव ने खरीफ व रबी फसलों से जुड़े अनुसंधान परीक्षणों, प्रदर्शन इकाइयों, बीज उत्पादन प्रक्षेत्रों और प्रयोगशालाओं का निरीक्षण किया। वैज्ञानिकों ने उन्हें जलवायु परिवर्तन के अनुरूप विकसित किस्मों, उन्नत फसल प्रबंधन, समेकित कीट प्रबंधन, मृदा स्वास्थ्य सुधार और जल उपयोग दक्षता बढ़ाने वाली तकनीकों की जानकारी दी। मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि कृषि अनुसंधान को अधिक व्यवहारिक, किसान-केंद्रित और क्षेत्रीय आवश्यकताओं के अनुरूप बनाया जाए। साथ ही अनुसंधान परिणामों को किसानों तक शीघ्र पहुंचाने के लिए कृषि विभाग, अनुसंधान संस्थानों और विस्तार तंत्र के बीच बेहतर समन्वय पर जोर दिया। उन्होंने किसान प्रशिक्षण कार्यक्रमों और खेत स्तर पर प्रदर्शनों को और सशक्त करने तथा गुणवत्तापूर्ण बीजों की समय पर उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। इस अवसर पर प्रमुख शासन सचिव कृषि एवं उद्यानिकी श्रीमती मंजू राजपाल, आयुक्त कृषि सुचिन्मयी गोपाल, आयुक्त उद्यानिकी श्रीमती शुभम चौधरी, कृषि विश्वविद्यालय जोबनेर के कुलगुरु डॉ. पुष्पेंद्र सिंह चौहान, निदेशक कृषि विपणन विभाग राजेश कुमार चौहान सहित कृषि एवं उद्यान विभाग के अधिकारी, रारी के वैज्ञानिक और प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए प्रगतिशील कृषक उपस्थित रहे।

प्रदेश की स्थापित सौर ऊर्जा क्षमता हुई 35 हजार मेगावाट से अधिक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। नववर्ष का सूरज प्रदेश के लिए नई उम्मीदों की किरणें लेकर आया है। विषम भौगोलिक हालात व मौसम के प्रचण्ड प्रकोप की मार झेलने वाला राजस्थान अब सूरज के विकास रथ पर सवार होकर आगे बढ़ रहा हैं। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के दूरदर्शी नेतृत्व में आमजन के घर सूर्यघर बन रहे हैं। सौर ऊर्जा से मिल रहे पानी से खेतों में सिंचाई हो रही है। बढ़ती सौर ऊर्जा क्षमता के साथ देश में नम्बर वन राज्य के रूप में राजस्थान नए साल में प्रवेश कर रहा है। ज्यादा पुरानी बात नहीं है जब राजस्थान को कोयले की किल्लत के कारण बिजली संकट का सामना करना पड़ता था। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने वर्ष में 320 दिन मिल रहे सूर्य के प्रकाश को प्रदेश का ऊर्जा परिदृश्य बदलने का जरिया बनाया। नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए तेजी से नीतिगत निर्णय किए गए, निवेश में आने वाली बाधाओं को दूर किया गया और भूमि आवंटन की प्रक्रियाओं को सुगम बनाया गया। इससे परियोजनाएं समय पर पूरी होने लगी जिससे दो साल में ही प्रदेश की सौर ऊर्जा क्षमता बढ़ कर दोगुनी हो चुकी है और राजस्थान ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

राजस्थान अपनी भौगोलिक स्थिति के कारण सौर ऊर्जा के लिए सबसे उपयुक्त राज्य माना जाता है। वर्तमान में प्रदेश की स्थापित सौर ऊर्जा क्षमता 35 हजार 910 मेगावाट पहुंच चुकी है, जो देश की कुल सौर क्षमता का लगभग 27 प्रतिशत है। बीते दो वर्षों में राज्य की स्थापित सौर ऊर्जा क्षमता में 18 हजार मेगावाट से अधिक की वृद्धि हुई है।

अधिकारी और कर्मचारी मिलकर विधानसभा की गरिमा और मर्यादाओं में अभिवृद्धि करें : वासुदेव देवनानी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। विधानसभाध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा है कि विधानसभा में कार्य करने वाले अधिकारी और कर्मचारी मिलकर इस संवैधानिक संस्था की गरिमा और मर्यादाओं में अभिवृद्धि करें। विधानसभाध्यक्ष देवनानी बुधवार को सांय विधान सभा में विधानसभा की संपादक (मुद्रण) श्रीमती आशा शर्मा और सहायक कर्मचारी रामेश्वर सैन के सेवानिवृत्ति समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। देवनानी ने साफा एवं पगड़ी पहनाकर, शॉल ओढाकर और स्मृति चिन्ह भेंट कर श्रीमती शर्मा और सैन का अभिनन्दन किया और उन्हें भावभीनी विदाई दी।

देवनानी ने कहा कि विधानसभा कर्मियों को लोकतंत्र के इस मंदिर में अपनी श्रेष्ठ क्षमताओं का उपयोग राज्य एवं राष्ट्र के विकास में अपना योगदान प्रदान करना चाहिए। साथ ही सभी को ऐसा करने के लिए प्रेरित भी करना चाहिए। उन्होंने कहा कि मेरा विधान सभा में होने वाले सेवानिवृत्ति के प्रत्येक कार्यक्रम में शामिल होने का प्रयास रहा है।

करौली सबसे ठंडा स्थान रहा, कोहरा और हल्की बारिश के आसार

जयपुर। राजस्थान के करौली में न्यूनतम तापमान 4.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो राज्य में सबसे ठंडा स्थान रहा। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बुधवार को यह जानकारी दी। आईएमडी के अनुसार, अलवर में न्यूनतम तापमान 6.5 डिग्री, दौसा में 6.6 डिग्री, टोंक के वनस्थली में 6.9 डिग्री, पिलानी में 8.8 डिग्री, चूरू में 9.1 डिग्री और भीलवाड़ा में 9.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। राज्य की राजधानी जयपुर में रात का तापमान 11.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जबकि जोधपुर में यह 12.2 डिग्री सेल्सियस रहा।

मौसम विभाग ने बताया कि पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से बृहस्पतिवार को बीकानेर, जयपुर और भरतपुर संभागों में हल्की बारिश हो सकती है जबकि एक से तीन जनवरी के दौरान राज्य के उत्तरी, पश्चिमी और पूर्वी हिस्सों में घना से बेहद घना कोहरा छा सकता है।

गहलोत ने सरकार से 'गिग वर्कर्स' के कल्याणकारी कानून को लागू करने का आग्रह किया

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राज्य सरकार से 'राजस्थान प्लेटफॉर्म-आधारित गिग वर्कर्स (पंजीकरण और कल्याण) अधिनियम, 2023' को तत्काल लागू करने का बुधवार को आग्रह किया और आरोप लगाया कि सरकारी उदासीनता के कारण 'गिग वर्कर्स' को हड़ताल पर जाना पड़ा है। एक बयान में, गहलोत ने कहा कि घरों तक सामान पहुंचाने वाले कंपनियों के प्रतिनिधियों सहित अन्य 'गिग वर्कर्स', जो अपनी रोजी रोटी के लिए दैनिक कमाई पर निर्भर हैं, नए साल की अवधि में ऑर्डर की सबसे अधिक मांग होने के बावजूद विरोध प्रदर्शन करने के लिए मजबूर हैं। उन्होंने कहा, ऐसे दिनों में काम छोड़ना पसंद की बात नहीं, बल्कि आर्थिक मजबूरी है। 'भारत जोड़ो यात्रा' के दौरान हुई बातचीत का जिक्र करते हुए गहलोत ने कहा कि 'गिग वर्कर्स' ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के सामने अपनी चिंताएं साझा की थीं, जिसके बाद पिछली कांग्रेस सरकार ने प्लेटफॉर्म आधारित कामगारों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने वाला देश का पहला कानून बनाया था।इस कानून को ''ऐतिहासिक'' बताते हुए गहलोत ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत राज्य सरकार द्वारा इसे लागू न करने से कामगारों को उनके उचित लाभों से वंचित किया।

युवा विभाजनकारी ताकतों से सावधान रहते हुए राष्ट्रीय एकता और अखण्डता की भावना को बढ़ावा देने का संकल्प लें : देवनानी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने युवाओं का आह्वान किया है कि वे देश-दुनिया की विभाजनकारी ताकतों से सावधान रहें और राष्ट्रीय एकता और अखण्डता की भावना को बढ़ावा देने का संकल्प लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा लक्षित 2047 तक विकसित भारत के निर्माण में अपनी भागीदारी और अहम भूमिका निभायें। साथ ही युवा अपने-अपने क्षेत्रों में भारत महान की अलख भी जगाए।

देवनानी बुधवार को जयपुर के एस.एस. जैन सुबोध पीजी कॉलेज में भारत सरकार के युवा मामले एवं खेल मंत्रालय और राष्ट्रीय सेवा योजना जयपुर के क्षेत्रीय निदेशालय द्वारा आयोजित सात दिवसीय राष्ट्रीय एकता शिविर के समापन अवसर पर शिविरार्थियों को मुख्य अतिथि के रूप में सम्बोधित कर रहे थे। इस शिविर में 11 राज्यों के 200 युवाओं ने भाग लिया। जिसमें 100 छात्र और इतनी ही छात्राएं शामिल हुई।

विधानसभाध्यक्ष देवनानी ने दक्षिण एशिया में हो रही घटनाओं की चर्चा करते हुए युवाओं से अपील की कि वे राष्ट्रीय एकता और अखण्डता को सर्वोपरी मानते हुए अपने आपको राष्ट्र को समर्पित करने की भावना का विकास करें। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय एकता शिविर का मुख्य उद्देश्य भी युवाओं को एक मंच पर लाकर राष्ट्रीय एकता, अखण्डता, भाईचारे और सद्भावना की भावना को सुदृढ करना ही है। यह शिविर भारतीय विचारधारा के प्रतीक है जहां शिक्षा, संस्कार, संस्कृति सहयोग, सहभागिता, भाईचारा और सामाजिक उत्तरदायित्व एक साथ आगे बढते है। भारतीय संस्कृति इतनी अधिक सहिष्णुता वाली है जहां हम जीव मातृ पर दया कर चिटियों को भी आटा खिलाते है। साथ ही यह शिविर विविधता में एकता वाले हमारे देश में ' एक भारत श्रेष्ठ ' भारत की भावना को भी आगे बढाने वाला एक उपयोगी आयोजन है।

देवनानी ने युवाओं से अपील की कि वे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास की कार्यशैली को अंगीकार करें और आपसी विश्वास, संवाद और सहभागिता की भावना से कार्य करते हुए आगे बढे। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानन्द जी ने युवाओं से कहा था कि ''उठो, जागो और लक्ष्य प्राप्ति तक मत रूको।'' इसी प्रकार पश्चिमी बंगाल के हमारे गौरव सुभाष चन्द्र बोस ने भी देश की आजादी की लडाई लडी थी। युवाओं को इस भावना के साथ अपने जीवन का लक्ष्य तय करते हुए तथा आधुनिक विज्ञान एवं तकनीकी से सुशिक्षित होकर एक अच्छा नागरिक बनने के साथ ही समाज की कमजोर वर्गों के लिए कार्य करने की प्रेरणा भी लेनी चाहिए। उन्होंने कहा कि यह शिविर तभी सार्थक कहा जायेगा, जबकि भारत के युवा तेजी से आगे बढते हुए अपने देश की मुख्य धारा से जुड़कर आगे बढे।

विधानसभाध्यक्ष ने युवाओं से कहा कि वे केवल किताबी ज्ञान ही नहीं लें बल्कि उससे बाहर निकलकर अपने जीवन में व्यावहारिक ज्ञान को अपनाएं तथा राष्ट्र प्रेम और भक्ति को सबसे ऊपर रखते हुए स्वावलम्बी बनने का लक्ष्य बनाये। उन्होंने कहा कि आज के युवा को योग के महत्व को भी समझना चाहिए।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रयासों से पूरे विश्व ने योग के महत्व को समझा है तथा पूरे विश्व में 21 जून को अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया जा रहा है। देवनानी ने युवाओं से अपील की वे प्रधानमंत्री जी की भावना के अनुरूप पर्यावरण, प्रदूषण और स्वच्छता जैसे अभियानों की सफलता में भी अपना सक्रिय योगदान प्रदान करें। इस अवसर पर राजस्थान, जम्मू कश्मीर, महाराष्ट्र, कर्नाटक और दिल्ली के शिविर प्रभारियों एवं छात्र-छात्राओं ने शिविर के संबंध में अपने अनुभव भी सुनाए। विधानसभाध्यक्ष देवनानी ने विभिन्न राज्यों से राष्ट्रीय एकता शिविर में आए युवाओं को स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किये। साथ ही उनके साथ सामूहिक चित्र भी खिंचवाये।

सैलानियों के लिए प्रमुख आकर्षण बने नाहरगढ़ जैविक उद्यान की टाइगर एवं लायन सफारी

जयपुर। राजधानी जयपुर में स्थित नाहरगढ़ जैविक उद्यान पर्यटन के मानचित्र पर तेजी से उभरते हुए राज्य के प्रमुख टूरिस्ट डेस्टिनेशन के रूप में अपनी पहचान बना चुका है। जयपुर भ्रमण पर आने वाले देशी-विदेशी सैलानियों के लिए नाहरगढ़ जैविक उद्यान के साथ-साथ यहां संचालित टाइगर एवं लायन सफारी विशेष आकर्षण का केंद्र बन गई हैं। प्राकृतिक हरियाली के बीच वन्यजीवों को उनके स्वाभाविक परिवेश में देखने का अनुभव पर्यटकों को रोमांच और आनंद से भर देता है। सहायक वन संरक्षक देवेन्द्र सिंह राठौड़ ने बताया कि जनवरी 2025 से 31 दिसम्बर 2025 की अवधि में नाहरगढ़ जैविक उद्यान एवं सफारियों के माध्यम से कुल 3 लाख 73 हजार 869 देशी-विदेशी पर्यटकों ने वन्यजीवों का दीदार किया। इस दौरान विभाग द्वारा 2 करोड़ 36 लाख 3 हजार 620 रुपये का उल्लेखनीय राजस्व अर्जित किया गया, जो उद्यान की बढ़ती लोकप्रियता को दर्शाता है।

उन्होंने बताया कि उक्त अवधि में नाहरगढ़ जैविक उद्यान में 3 लाख 39 हजार 433 पर्यटक पहुंचे, जबकि 18 हजार 831 पर्यटकों ने लायन सफारी एवं 15 हजार 605 पर्यटकों ने टाइगर सफारी का आनंद लिया। दोनों ही सफारियां पर्यटन सीजन के दौरान जयपुरवासियों सहित बाहर से आने वाले सैलानियों के लिए प्रमुख आकर्षण बनी हुई हैं। शहर के समीप स्थित यह जैविक उद्यान प्राकृतिक सौंदर्य, हरियाली और वन्यजीवों का अद्भुत संगम प्रस्तुत करता है। यहां परिवार के साथ भ्रमण करने वाले पर्यटकों को न केवल मनोरंजन बल्कि वन्यजीव संरक्षण एवं पर्यावरण के प्रति जागरूकता का भी संदेश मिलता है।

उप वन संरक्षक विजयपाल सिंह के निर्देशन में नाहरगढ़ जैविक उद्यान में पर्यटकों की सुरक्षा, सुविधाओं एवं प्रबंधन पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। सहायक वन संरक्षक देवेन्द्र सिंह राठौड़ एवं रेंज अधिकारी शुभम शर्मा द्वारा नियमित रूप से सफारियों की सघन मॉनिटरिंग कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया जा रहा है। रेंज अधिकारी शुभम शर्मा की देखरेख में टूरिज्म मैनेजमेंट टीम द्वारा सफारी संचालन, भीड़ नियंत्रण, टिकटिंग व्यवस्था, वाहन सुविधा, दिशा-निर्देश एवं स्वच्छता प्रबंधन को सुव्यवस्थित रूप से संचालित किया जा रहा है, जिससे पर्यटकों को सुगम और सुरक्षित अनुभव मिल सके। वन विभाग की सतत निगरानी, प्रभावी प्रबंधन एवं सुविधाओं के निरंतर विस्तार के परिणामस्वरूप नाहरगढ़ जैविक उद्यान आज राज्य के सर्वाधिक लोकप्रिय वन्यजीव पर्यटन स्थलों में शामिल हो चुका है। यह स्थल न केवल पर्यटन और राजस्व संवर्धन का माध्यम बन रहा है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण, जैव विविधता संरक्षण और जन-जागरूकता का भी सशक्त प्रतीक बनकर उभर रहा है।

रक्षा मंत्री ने अन्नपूर्णा मंदिर के शिखर पर धर्म ध्वजा फहराई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अयोध्या (उप्र)/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को प्राण प्रतिष्ठा द्वादशी के मौके पर राम मंदिर परिसर में अन्नपूर्णा मंदिर में धर्म ध्वजा फहराई और पूजा-अर्चना में हिस्सा लिया।

सिंह के साथ उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी थे। अन्नपूर्णा मंदिर, राम मंदिर परिसर में स्थित सात मंदिरों में से एक है।

श्रीराम के जयकारों और मंत्रोच्चार के बीच रक्षा मंत्री व मुख्यमंत्री ने विधिवत पूजन कर मां अन्नपूर्णा मंदिर के शिखर पर धर्म ध्वजा फहराई। दर्शन-पूजन के बाद जब दोनों नेता मंदिर परिसर से बाहर निकले, तो श्रद्धालुओं ने 'जय श्रीराम' के जयकारे लगाकर उनका स्वागत किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हाथ हिलाकर लोगों का अभिवादन स्वीकार किया और बच्चों को स्नेहपूर्वक आशीर्वाद दिया। पूरे परिसर में भक्तिमय और उत्साह का माहौल बना रहा। अधिकारियों के अनुसार, राजनाथ सिंह ने रामलला की पूजा की और राम मंदिर में आयोजित प्राण प्रतिष्ठा द्वादशी कार्यक्रम में मुख्य यजमान के रूप में भी हिस्सा लिया। मुख्य धार्मिक कार्यक्रम बुधवार को हुआ लेकिन प्राण प्रतिष्ठा द्वादशी से जुड़े अनुष्ठान शुक्रवार तक जारी रहेंगे। मंदिर परिसर में धार्मिक अनुष्ठान शनिवार से ही आयोजित किए जा रहे हैं। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के एक पदाधिकारी ने बताया कि इन धार्मिक कार्यक्रमों के दौरान रामलला के दर्शन के लिए पांच से छह लाख श्रद्धालुओं के अयोध्या पहुंचने की उम्मीद है।

इससे पहले, प्राण प्रतिष्ठा द्वादशी कार्यक्रम में शामिल होने के लिए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह बुधवार सुबह अयोध्या पहुंचे। महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उनका स्वागत किया। इसके बाद दोनों नेता हनुमानगढ़ी पहुंचे और दर्शन-पूजन के उपरांत श्रीराम जन्मभूमि परिसर आए।

धर्म ध्वजा फहराने का यह कार्यक्रम 25 नवंबर को हुए उस आयोजन के बाद हुआ, जिसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राम मंदिर के शिखर पर केसरिया धर्म ध्वजा फहराई थी। इसे मंदिर निर्माण के औपचारिक रूप से पूर्ण होने का प्रतीक माना गया।

पिछले साल 22 जनवरी को प्रधानमंत्री के नेतृत्व में आयोजित समारोह के दौरान राम मंदिर में रामलला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा की गई थी।

निर्वाचन आयोग ने हमारी आशंकाओं को दूर नहीं किया, सीईसी का रवैया आक्रामक था : अभिषेक

नई दिल्ली/भाषा। तृणमूल कांग्रेस के नेता अभिषेक बनर्जी ने बुधवार को कहा कि निर्वाचन आयोग पश्चिम बंगाल में जारी मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर उनकी चिंताओं को दूर करने में विफल रहा है और यदि अंतिम मतदाता सूची में ''विसंगतियां'' पाई जाती हैं तो पार्टी उसे स्वीकार नहीं करेगी। बनर्जी ने संवाददाताओं से कहा, ''हम इसके खिलाफ कानूनी लड़ाई लड़ेंगे।''

तृणमूल कांग्रेस के 10 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने उनकी पार्टी शासित पश्चिम बंगाल में एसआईआर प्रक्रिया को लेकर आयोग की पूर्ण पीठ से मुलाकात की, जिसके बाद बनर्जी ने उक्त टिप्पणियां कीं। अभिषेक बनर्जी ने आरोप लगाया कि चुनावों में 'वोट चोरी' मतदाता सूची के माध्यम से हो रही थी, न कि ईवीएम के माध्यम से, और जोर दिया कि अगर विपक्षी दलों ने इस मुद्दे को आक्रामक रूप से उठाया होता तो महाराष्ट्र, हरियाणा और बिहार जैसे राज्यों में वे जीत सकते थे। उन्होंने निर्वाचन आयोग के समक्ष मतदाता सूची के मसौदे को लेकर कई चिंताएं उठाईं, जिनमें 1.36 करोड़ मतदाताओं को तलब करना शामिल था। उन्होंने दावा किया कि बैठक के दौरान मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) का रवैया ''आक्रामक'' था।

ओडिशा के मुख्यमंत्री 'राक्षस राजा कंस के दरबार' में पेश, सरकारी परियोजनाओं की जानकारी दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी राक्षस राजा कंस के दरबार में उपस्थित हुए और उन्होंने पौराणिक शासक (कंस) को सरकार की ओर से बरगढ़ जिले के लिए शुरू की गई 1,362 करोड़ रुपए की 123 विकास परियोजनाओं की जानकारी दी।

माझी मंगलवार रात बरगढ़ में आयोजित वार्षिक 'धनु जात्रा' उत्सव में शामिल हुए। यह उत्सव भगवान कृष्ण द्वारा राजा कंस को पराजित किए जाने की याद में मनाया जाता है।

'धनु जात्रा' के तहत हाथी पर सवार होकर मुख्यमंत्री कंस के 'दरबार' के तौर पर बनाए गए मंच पर पहुंचे जहां आभासी कंस ने उनसे मथुरा नगरी के विकास के लिए उठाए गए कदमों के बारे में पूछा। बरगढ़ को मथुरा के रूप में दर्शाया जाता है, जहां (मथुरा) भगवान कृष्ण ने लीलाएं की थीं।

मुख्यमंत्री माझी ने बताया कि 1,362 करोड़ रुपए की लागत वाली 123 विकास परियोजनाएं शुरू की गई हैं और करीब 380 करोड़ रुपए की लागत वाली चार नई परियोजनाओं की घोषणा की गई है।

मुख्यमंत्री ने कंस को बताया कि जिले में 980.58 करोड़ रुपए की लागत वाली 85 परियोजनाओं की आधारशिला रखी गई है, जबकि 382.26 करोड़ रुपए की लागत वाली 38 विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया गया है।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने ओडिशा में राजमार्ग को चौड़ा करने की परियोजना को मंजूरी दी

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को ओडिशा में राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच)-326 को चौड़ा करने और उन्नत बनाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। इस परियोजना के तहत मौजूदा दो-लेन वाले राजमार्ग को ईपीसी (इंजीनियरिंग, खरीद और निर्माण) माध्यम से 68.600 किलोमीटर से बढ़ाकर 311.700 किलोमीटर का दो-लेन वाला राजमार्ग बनाया जाएगा। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, इस परियोजना की कुल लागत 1,526.21 करोड़ रुपए है। बयान में कहा गया कि एनएच-326 के उन्नयन और चौड़ीकरण से यात्रा तेज, सुरक्षित और आसान हो जाएगी, जिससे दक्षिण ओड़िशा का समग्र विकास होगा। इसका विशेष लाभ गजपति, रायगड़ा और कोरापुट जिलों को मिलेगा। बयान के मुताबिक, बेहतर सड़क संपर्क से स्थानीय समुदायों, उद्योगों, शैक्षणिक संस्थानों और पर्यटन स्थलों को सीधे लाभ मिलेगा। इससे बाजारों, स्वास्थ्य सेवाओं एवं रोजगार के अवसरों तक पहुंच बेहतर होगी और क्षेत्र के सामान्य और समावेशी विकास में मदद मिलेगी।

इंदौर दूषित पेयजल कांड : विजयवर्गीय ने कहा,

''चूक तो हुई है, दोषी अधिकारियों को नहीं बख्शेंगे''

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंदौर/भाषा। मध्यप्रदेश के नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने इंदौर के दूषित पेयजल कांड में अधिकारियों की चूक स्वीकार करते हुए बुधवार को कहा कि इस मामले के दोषी अफसरों को बख्शा नहीं जाएगा, भले ही वे कितने भी बड़े पद पर क्यों न हों।

स्थानीय नागरिकों ने शहर के भागीरथपुरा इलाके में दूषित पानी पीने के कारण उल्टी-दस्त के प्रकोप से आठ लोगों की मौत का दावा किया है, जबकि प्रशासन का कहना है कि डायरिया से केवल तीन मरीजों की जान गई है। अधिकारियों ने बताया कि गुजरे एक हफ्ते के दौरान भागीरथपुरा क्षेत्र में उल्टी-दस्त के प्रकोप से 1,100 से ज्यादा लोग किसी न किसी रूप में प्रभावित हुए हैं जिनमें से 111 मरीजों को अस्पतालों में भर्ती किया गया है।

भागीरथपुरा, विजयवर्गीय के विधानसभा क्षेत्र 'इंदौर-1' में आता है। दूषित पेयजल कांड के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने संवाददाताओं से कहा, ''मुझे लगता है कि चूक तो हुई है, लेकिन अभी इस बारे में चर्चा करने से अच्छा है कि हम पहले सभी मरीजों को स्वस्थ करें और सकारात्मक वातावरण बनाएं।'' विजयवर्गीय ने कहा कि दूषित पेयजल कांड के किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा, भले ही वह कितने भी बड़े स्तर का अधिकारी हो।

दूषित पेयजल से मरने वाले लोगों की मौत के आंकड़ों को लेकर विरोधाभास पर उन्होंने कहा, ''मैं अभी इस बारे में कोई टिप्पणी नहीं करूंगा क्योंकि कुछ लोगों की स्वाभाविक मौत हुई है, जबकि कुछ लोगों की मौत इस घटना (दूषित पेयजल कांड) में भी हुई है। इसलिए चिकित्सकों और प्रशासन की जांच के बाद हम आंकड़े बताएंगे।'' काबीना मंत्री ने बताया कि भागीरथपुरा में उल्टी-दस्त के मरीजों की तादाद कम हुई है, पर अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों पर उनके आने का सिलसिला जारी है।

विजयवर्गीय ने बताया कि भागीरथपुरा क्षेत्र में चार एम्बुलेंस और चिकित्सा कर्मियों के अलग-अलग दल तैनात हैं। उन्होंने बताया कि शहर के शासकीय महाराजा यशवंतराव चिकित्सालय और निजी क्षेत्र के श्री अरबिंदो इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में उल्टी-दस्त के मरीजों के लिए अलग वॉर्ड बनाए गए हैं।

काबीना मंत्री ने कहा कि भागीरथपुरा क्षेत्र के निजी अस्पतालों से कहा गया है कि सभी मरीजों के इलाज का पूरा खर्च राज्य सरकार उठाएगी।

विरोध प्रदर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कांग्रेस की पश्चिम बंगाल इकाई के अध्यक्ष शुभंकर सरकार के नेतृत्व में बुधवार को पार्टी कार्यकर्ताओं ने कोलकाता के कॉलेज स्ट्रीट पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ प्रदर्शन किया। जैसे ही शाह का काफिला थंथानिया काली बाड़ी की ओर जाते हुए कलकत्ता विश्वविद्यालय के पास से गुजरा, तो कांग्रेस समर्थकों ने 'वापस जाओ' के नारे लगाए और एक पुतला भी जलाया। प्रदर्शनकारियों ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) शासित ओडिशा में बंगाली प्रवासी मजदूर ज्वेल राणा की हत्या पर केंद्रीय गृह मंत्री की चुप्पी को लेकर सवाल किए। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने शाह पर 'बंगाली विरोधी' और 'बांग्ला भाषा विरोधी' होने का भी आरोप लगाया।

पिता की तरह सभी के लिए उपलब्ध रहने की कोशिश कर रहा हूं : नितिन नवीन

पटना/भाषा। भाजपा के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नवीन ने बुधवार को कहा कि वह अपने पिता के पदचिह्नों पर चलने का प्रयास कर रहे हैं, जो ''सभी के लिए उपलब्ध रहते थे'' और पार्टी कार्यकर्ताओं को परिवार की तरह मानते थे। नितिन नवीन के पिता नवीन किशोर प्रसाद सिन्हा भाजपा से विधायक रहे थे। सिन्हा की पुण्यतिथि के अवसर पर यहां एक पार्क में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में नितिन नवीन के साथ ही बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी सहित कई वरिष्ठ नेताओं ने पुष्पांजलि अर्पित की। अपने पिता को श्रद्धांजलि देने के बाद नितिन नवीन ने संवाददाताओं से कहा, ''मैं अपने पिता के राजनीतिक जीवन से सीख लेकर उनके पदचिह्नों पर चलने की कोशिश कर रहा हूं जो सभी के लिए उपलब्ध रहते थे और पार्टी कार्यकर्ताओं को परिवार की तरह मानते थे।'' उन्होंने कहा, ''आज मेरे पिता की 20वीं पुण्यतिथि है। जिस तरह उन्होंने सादगी के साथ संगठन को सींचा और कार्यकर्ताओं के साथ पारिवारिक रिश्ते बनाए, वह उल्लेखनीय है।''

सीबीआई अधिकारी बनकर व्यापारी के घर डकैती करने वाले पांच बदमाश गिरफ्तार

बुलंदशहर (उप्र)/भाषा। बुलंदशहर जिले के अनूपशहर क्षेत्र में पुलिस ने कथित रूप से सीबीआई अधिकारी बनकर व्यापारी के घर डकैती करने वाले पांच बदमाशों को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बदमाशों के कब्जे से लूटे गए गहने, साढ़े 13 लाख रुपए की नकदी, घटना में इस्तेमाल दो मोटरसाइकिल, तीन अवैध बंदूकें और कारतूस बरामद किए हैं। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, पकड़े गए बदमाशों में अलीगढ़ का इंद्रपाल उर्फ ताऊ, याकेश उर्फ छोटू और सचिन व बुलंदशहर का यशपाल उर्फ राजा और संजय शामिल हैं। इनमें से इंद्रपाल उर्फ ताऊ और याकेश पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा 25-25 हजार रुपए का इनाम घोषित किया गया था। उन्होंने बताया कि ये बदमाश अनूपशहर क्षेत्र में गत 19 दिसंबर को खुद को सीबीआई का अधिकारी बताकर व्यापारी के घर में घुसे और वहां रखे सोने और चांदी के गहने एवं नकदी लूटकर भाग गए थे।

तृणमूल शासन में घुसपैठ और भ्रष्टाचार का खतरा स्पष्ट तौर पर मौजूद है : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के लिए 2026 के पश्चिम बंगाल चुनाव की भूमिका तय करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को ''घुसपैठ और भ्रष्टाचार'' के मुद्दों को राज्य की सत्ता से तृणमूल कांग्रेस को ''जड़ से उखाड़ फेंकने'' के लिए पार्टी का मुख्य चुनावी हथियार बताया।

पूर्वी कोलकाता के 'साइंस सिटी ऑडिटोरियम' में जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं और नेताओं की बंद कमरे में हुई बैठक को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस सरकार के तहत घुसपैठ और भ्रष्टाचार ने ''संस्थागत रूप'' ले लिया है और यह महानगर इन बुराइयों के प्रभाव से ''ज्यादा समय तक अछूता नहीं रह पाएगा।'' शाह भाजपा के कोलकाता महानगर क्षेत्र के बूथ स्तर और मंडल स्तर के कार्यकर्ताओं से बात कर रहे थे। यह क्षेत्र शहर और आसपास की 28 विधानसभा सीटों को शामिल करता है। बैठक शाह के 48 घंटे के पश्चिम बंगाल दौरे के दौरान लगातार आयोजित बैठकों की श्रृंखला की अंतिम कड़ी थी। इस दौरान उन्होंने एजेंडा तय किए, नेताओं को जिम्मेदारियां सौंपीं, राज्य आरएसएस के साथ समन्वय किया और आगामी महीनों में चुनावी मैदान में उतरने के लिए मुद्दों को अंतिम रूप दिया। बैठक में शामिल एक कार्यकर्ता के अनुसार शाह ने कहा, ''दिल पे लिख लो, इस बार हमारी सरकार।'' भाजपा के मुख्य चुनावी रणनीतिकार माने जाने वाले शाह ने कार्यकर्ताओं से कहा कि घुसपैठ का खतरा साफ और मौजूद है और अगर इससे लड़ने के लिए लोग नहीं जागे तो शहरवासी गंभीर रूप से प्रभावित होंगे।

भाजपा ने ममता बनर्जी पर अमित शाह को 'धमकी' देने का आरोप लगाया

भुवनेश्वर/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की आलोचना करते हुए उन पर राज्य के दौरे पर आए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को धमकी देने का बुधवार को आरोप लगाया और दावा किया कि वह 'तानाशाही' कर रही हैं।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में आरोप लगाया कि ममता बनर्जी ने बांकुड़ा जिले में एक जनसभा के दौरान कहा कि शाह कोलकाता के जिस होटल में ठहरे हुए हैं वहां से बाहर वह उनकी ''मर्जी'' से ही निकल पाए हैं।

पात्रा ने कहा, ''ममता बनर्जी ने देश के गृह मंत्री को ऐसी भाषा में धमकी दी है, जिसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती। हमने इसे देखा है। उन्होंने कहा कि आप (शाह) होटल में छिपे हुए हैं। अगर हम चाहें तो आप होटल से बाहर कदम नहीं रख सकते। ये आपकी खुशकिस्मती है कि हमने आपको होटल से बाहर आने दिया।'' भाजपा ने दावा किया कि बनर्जी ने ''घुसपैठियों के लिए'' ऐसा किया और इस बात पर बल दिया कि यह न केवल केंद्रीय गृह मंत्री के लिए, बल्कि देश की पूरी आबादी के लिए खतरा है।

वर्ष 2025 में भाजपा का कुशासन हावी रहा : खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बुधवार को आरोप लगाया कि वर्ष 2025 में देश की जनता पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की 'लूट, भ्रष्टाचार और कुशासन' हावी रहा। उन्होंने वर्ष 2025 के आखिरी दिन एक पोस्ट में कहा कि यह याद दिलाना जरूरी है कि भाजपा सरकार के 11वें साल में देश की क्या स्थिति रही।

खरगे ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''मनरेगा ख़त्म कर, करोड़ों गरीबों के काम का अधिकार छीना गया, बिना तैयारी कर, बिना बीएलओ (ब्लॉक स्तर का अधिकारी) प्रशिक्षण के, एसआईआर (मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण) से करोड़ों लोगों का ''मतदान का अधिकार'' छीना, भाजपा की वोट चोरी पकड़ी गई।'' उन्होंने कहा, ''आर्थिक असमानता की खाई और गहरी हुई, सिर्फ एक प्रतिशत लोगों के पास भारत की 40 प्रतिशत दौलत, रुपया पाताल की ओर गिर रहा, रिजर्व बैंक ने 32 अरब (2.8 लाख करोड़ रुपए) के अमेरिकी डॉलर बेचे, तो भी बात नहीं बनी।''

एसआईआर के लिए दस्तावेज जुटाने 29 साल बाद लौटा बुजुर्ग, मृत मान चुके थे परिजन

मुजफ्फरनगर (उप्र)/भाषा। मुजफ्फरनगर जिले में 1997 से लापता और अरसे पहले मृत मान लिए गए 79 वर्षीय शरीफ अहमद लगभग 29 साल बाद मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के कारण दस्तावेज ढूंढने के वास्ते अपने पैतृक शहर खतौली लौट आये।

शरीफ अहमद के भतीजे वसीम अहमद ने बुधवार को 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि उनके चाचा अपनी पहली पत्नी की मौत के बाद पश्चिम बंगाल की रहने वाली एक महिला से शादी करने के बाद 1997 में वहीं चले गए थे और वह 29 दिसंबर को खतौली पहुंचे। वसीम ने कहा, इन सालों में, हमने उन्हें ढूंढने की बहुत कोशिश की।

भाजपा शासित राज्यों में ईसाइयों को निशाना बनाया जा रहा है : वेणुगोपाल

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने पैसे देकर धर्मांतरण कराने के आरोप में केरल के एक पादरी की महाराष्ट्र में गिरफ्तारी की निंदा करते हुए बुधवार को कहा कि भाजपा शासित राज्यों में ईसाइयों को अपने धर्म का पालन करने के लिए चुन-चुनकर निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने फादर सुधीर विलियम की रिहाई के साथ प्राथमिकी रद्द करने की मांग भी की। महाराष्ट्र के अमरावती जिले में पुलिस ने बुधवार को धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के आरोप में केरल के पादरी फादर सुधीर विलियम और चार महिलाओं सहित सात अन्य को गिरफ्तार कर लिया। इन पर ईसाई धर्म में परिवर्तन के लिए लोगों को पैसे की पेशकश करने का आरोप लगाया गया है। वेणुगोपाल ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''केवल अपने धर्म का पालन करने के लिए ईसाइयों को भाजपा शासित राज्यों में चुनिंदा ढंग से निशाना बनाया जा रहा है। महाराष्ट्र के नागपुर में एक ईसाई पुजारी की गिरफ्तारी अत्यंत निंदनीय है और यह स्पष्ट संकेत है कि जहां भी भाजपा सत्ता में है, वह धर्मांतरण के फर्जी ढोंग के तहत ईसाइयों को परेशान करने के लिए राज्य मशीनरी का उपयोग करती है।'' उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा का धार्मिक कट्टरता और ध्रुवीकरण का नफरत भरा एजेंडा दिन-ब-दिन बढ़ता जा रहा है।

चीन का मध्यस्थता का दावा चिंताजनक, सरकार स्पष्टता दे : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने बुधवार को दावा किया कि भारत और पाकिस्तान के बीच मध्यस्थता संबंधी चीन का दावा चिंताजनक है और ऐसे में सरकार के स्तर पर इसमें स्पष्टता आनी चाहिए।

पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप लंबे समय से यह दावा करते रहे हैं कि उन्होंने 10 मई, 2025 को ऑपरेशन सिंदूर को रोकने के लिए व्यक्तिगत रूप से हस्तक्षेप किया था। वह यह दावा कम से कम सात अलग-अलग देशों में, विभिन्न मंचों पर, 65 बार कर चुके हैं। उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने तथाकथित अच्छे मित्र द्वारा किए गए इन दावों पर आज तक अपनी चुप्पी नहीं तोड़ी है। रमेश का कहना है, अब चीन के विदेश मंत्री भी ऐसा ही दावा कर रहे हैं और कह रहे हैं कि चीन ने भी मध्यस्थता की थी। 4 जुलाई 2025 को सेना उप प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल राहुल सिंह ने सार्वजनिक रूप से कहा था कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत असल में चीन का सामना कर रहा था और उससे लड़ रहा था। कांग्रेस नेता के अनुसार, चीन निर्णायक रूप से पाकिस्तान के साथ खड़ा था, ऐसे में भारत और पाकिस्तान के बीच मध्यस्थता करने के चीन के दावे चिंताजनक है। उन्होंने कहा कि यह चिंताजनक सिर्फ इसलिए नहीं कि यह देश की जनता को अब तक बताई गई बातों के उलट हैं, बल्कि इसलिए भी कि यह हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा का मज़ाक बनाता प्रतीत होता है। रमेश ने कहा, इस दावे को चीन के साथ हमारे संबंधों के संदर्भ में भी समझा जाना चाहिए। हमने चीन के साथ फिर से बातचीत शुरू की है, लेकिन दुर्भाग्यवश यह बातचीत चीन की शर्तों पर हो रही है।

शुभेंदु ने तृणमूल कांग्रेस सरकार में महिलाओं के असुरक्षित होने का आरोप लगाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने बुधवार को आरोप लगाया कि ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली सरकार में महिलाएं ''असुरक्षित'' हैं। वरिष्ठ भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि दक्षिण 24 परगना जिले में एक महिला और उसके परिवार के सदस्यों को दिनदहाड़े लाठियों से बेरहमी से पीटा गया।

अधिकारी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट में कहा, ''ममता बनर्जी के पश्चिम बंगाल में कोई महिला सुरक्षित नहीं है!!! दक्षिण 24 परगना जिले के कैनिंग उपविभाग के बसंती ब्लॉक के उत्तर भांगनामारी गांव से परेशान करने वाले दृश्य।'' उन्होंने आरोप लगाया कि आरोपी ''जानते हैं कि उन्हें ऐसे घृणित कृत्य के लिए कोई सजा नहीं मिलेगी या कानून-प्रवर्तन एजेंसियां उन्हें छोड़ देंगी क्योंकि सत्तारूढ़ पार्टी के प्रति उनकी निष्ठा के कारण उन्हें कुछ विशेषाधिकार प्राप्त हैं। नेता प्रतिपक्ष ने इस घटना का एक वीडियो भी पोस्ट किया। हालांकि, 'पीटीआई-भाषा' वीडियो की प्रामाणिकता की पुष्टि नहीं कर सकती। उन्होंने कहा, ''वीडियो अपने आप सबकुछ बयां करता है।'' उन्होंने आरोप लगाया कि आरोपी बिना कानून का भय महसूस किए ऐसे कृत्य कर रहे हैं क्योंकि वे सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के प्रति निष्ठावान हैं।

सुविचार

प्रेम की कोई भाषा नहीं होती, प्रेम का फूल मौन में खिलता है। प्रेम संगीत है, प्रेम अंतर्नाद है और प्रेम ही अनहद भी है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कैलेंडर तक सीमित न रहे बदलाव

तारीख बदलने के साथ साल बदलता है और उसके साथ कैलेंडर भी बदल जाता है। बदलाव सिर्फ कैलेंडर तक सीमित नहीं रहना चाहिए। व्यक्ति, परिवार, समाज और देश में भी नजर आना चाहिए। व्यक्ति मजबूत होगा तो देश भी मजबूत होगा। इसके लिए अपने जीवन में सकारात्मक बदलावों को स्थान देना चाहिए। यूं तो कई लोग नए साल के पहले दिन बड़े-बड़े संकल्प लेते हैं, लेकिन वे उन पर एक-दो महीने भी अमल नहीं कर पाते। इसलिए संकल्प ऐसे लें, जिन पर अमल करना आसान हो। इस साल हर नागरिक को अपने स्वास्थ्य की रक्षा का संकल्प जरूर लेना चाहिए। अगर हमारी दिनचर्या प्रकृति के नियमों के अनुसार हो, खानपान सात्विक हो, नियमित व्यायाम करें तो स्वस्थ जीवन जी सकते हैं। जब लोग अपने स्वास्थ्य के संबंध में इतने जागरूक होंगे तो देश खुशहाल होगा। नए साल में पर्यावरण के संरक्षण को प्राथमिकता देनी होगी। यह सिर्फ सरकारों का काम नहीं है। हमारे कई शहरों में वायु प्रदूषण गंभीर स्थिति में पहुंच चुका है। भूजल का स्तर नीचे गिरता जा रहा है। अगर समय रहते इन दोनों मुद्दों की ओर ध्यान नहीं दिया तो भविष्य में हालात बहुत मुश्किल हो सकते हैं। सरकार और जनता को स्वच्छ वायु की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए अपने स्तर पर प्रयास करने होंगे। मानसून आने से पहले ऐसे इंतजाम करने होंगे, जिससे वर्षाजल धरती में जाए। इस साल नकारात्मकता को पीछे छोड़ने का संकल्प लें। सोशल मीडिया पर ऐसे अकाउंट्स से दूर रहें, जो नकारात्मकता को बढ़ावा देते हैं। फेक न्यूज की चुनौती का सामना करने के लिए नियमित रूप से अख़बार पढ़ें। सकारात्मकता पर आधारित किताबें पढ़ने से नई ऊर्जा मिलेगी। प्राय: पुराने कड़वे अनुभवों, बुरी यादों को भूलना आसान नहीं होता, लेकिन सुखी जीवन का सूत्र यही है कि इनसे सबक लेकर आगे बढ़ें। इन्हें बार-बार याद न करें।

नए साल में परिवार और संबंधों को ज्यादा महत्त्व दें। हर परिवार यह नियम बना ले कि हफ्ते में किसी खास दिन सभी सदस्य साथ बैठेंगे और एक-दूसरे के योगदान को सराहेंगे। हर परिवार में कुछ समस्याएं भी होती हैं। उन्हें आपसी खींचतान के बजाय प्रेम और सम्मान के साथ सुलझाने का संकल्प लें। परिवार में छोटे बच्चों से जरूर बातचीत करें। उन्हें अच्छी आदतें सिखाएं। कई लोग यह तो चाहते हैं कि उनके बच्चे मोबाइल फोन, टीवी आदि देखने की जिद न करें, बड़े होकर नशाखोरी से दूर रहें, मीठा बोलें, लेकिन वे खुद अपने जीवन में ऐसा नहीं करते। पहले खुद अच्छा बनकर दिखाएंगे तो बच्चों पर ज्यादा असर होगा। सीखने का सिलसिला कभी बंद नहीं होना चाहिए। जो व्यक्ति सीखना छोड़ देता है, वह पीछे रह जाता है। जापान में कई बुजुर्ग ऐसे हैं, जो अस्सी साल की उम्र में भी कुछ नया सीखना चाहते हैं। हाल में एक जापानी सज्जन का वीडियो सोशल मीडिया पर चर्चा में रहा था, जो लगभग चौरासी साल के हैं और जूते बनाना सीख रहे हैं। वे जूते पॉलिश करने के लिए नए-नए प्रयोग कर रहे हैं। उनके प्रयासों की बहुत सराहना हो रही है। हमारे देश में तीस साल के नौजवान कोई नया काम सीखने और करने से झिझकते हैं। 'लोग क्या कहेंगे?' वे यही सोचकर आगे बढ़ने का साहस नहीं जुटा पाते। नए साल में इस झिझक को खुद पर हावी न होने दें। जो काम सीखना चाहते हैं, उसे सीखें और आगे बढ़ें। ऐसे भी लोग हैं, जिनके पास पर्याप्त संसाधन हैं। बस, वे अच्छे समय का इंतजार करते रहते हैं। इस इंतजार में महीने और साल बीत जाते हैं। इंतजार करते रहने से अच्छा समय नहीं आएगा। सबसे अच्छा समय आज है। संकल्प दृढ़ हो तो सफलता जरूर मिलेगी। आइए, हम सब मिलकर स्वस्थ, सकारात्मक और मजबूत भारत का निर्माण करें। बहुत शुभ कामनाएं!

ट्वीटर टॉक

अयोध्या की पावन धरा पर आज रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा की द्वितीय वर्षगांठ मनाई जा रही है। ये वर्षगांठ हमारी आस्था और संस्कारों का एक दिव्य उत्सव है। सभी रामभक्तों की ओर से प्रभु श्री राम के चरणों में मेरा कोटि-कोटि नमन और वंदन! समस्त देशवासियों को मेरी अनंत शुभकामनाएं।

-नरेन्द्र मोदी

आज पुत्रदा एकादशी के पावन अवसर पर श्रीनाथ जी के दिव्य मंदिर से 21 किलोमीटर की गोवर्धन जी की पवित्र परिक्रमा का शुभारंभ किया और जतीपुरा स्थित मुखारविंद के दर्शन कर पूजा-अर्चना का सौभाग्य प्राप्त हुआ।

-भजनलाल शर्मा

अयोध्या श्री राम मंदिर प्राण-प्रतिष्ठा की द्वितीय वर्षगांठ पर हार्दिक शुभकामनाएँ! पावन अयोध्या आज आस्था और धैर्य की विजय की साक्षी है। यह दिन करोड़ों रामभक्तों के विश्वास और सनातन संस्कारों का सम्मान है।

-वसुंधरा राजे

प्रेरक प्रसंग

धैर्य का निर्णय

एक दिन सम्राट अशोक दरबार में बैठे थे। सीमावर्ती क्षेत्र से विद्रोह की सूचना आई थी। मंत्रियों ने तुरंत कठोर दंड का सुझाव दिया। आदेश लिखा जाने लगा, पर अशोक का मन अस्थिर था। उन्होंने दरबार स्थगित कर दिया और अकेले बगीचे में टहलने लगे। वहां उन्होंने एक माली को पौधे की टूटी टहनी को सहारे से बांधते देखा। अशोक ने पूछा, 'इसे काट क्यों नहीं देते?' माली बोला, 'महाराज, यह अभी जीवित है। थोड़ा धैर्य मिले तो फिर हरी हो सकती है।' अशोक वहीं रुक गए। लौटकर उन्होंने दंड का आदेश रोक दिया और संवाद का मार्ग चुना। कुछ समय बाद वही क्षेत्र शांत हो गया। उस दिन अशोक ने समझाहर समस्या तलवार नहीं मांगती।

सामयिक

नववर्ष : स्वयं से संवाद का क्षण

नृपेन्द्र अभिषेक 'नृप'

मोबाइल : 9955818270

नूतन वर्ष हम सभी के लिए एक ख़ूबसूरत मौका होता है, जो हम सभी को एक नवीन शुरुआत करने के लिए प्रेरित करता है। हमेशा याद रखें कि पिछले साल के दुःख के लिए इस साल कोई आंसू बर्बाद करने की जरूरत नहीं होती है। नव वर्ष एक ऐसा उत्सव है जो पूरी दुनिया में मनाया जाता है। नव वर्ष दुनिया भर में अलग-अलग जगहों पर अलग-अलग तरीकों से मनाया जाता है। इस नए साल में हर इंसान खुद को अपने-अपने तरीक़े से बदलने का प्रयास करता है और पुराने साल के बुरे वक्त को भुला कर नए साल के नए सूर्योदय में नयी शुरुआत करने का प्रयास करता है। आधुनिक जीवन की सबसे बड़ी विडंबना यह है कि हम सब से बातें करते हैं, पर स्वयं से बात करने का समय नहीं निकाल पाते। नववर्ष का आगमन इस कमी को पूरा करने का अवसर देता है। स्वयं से संवाद का अर्थ है अपने मन, अपने विचारों, अपनी इच्छाओं और अपनी कमजोरियों को ईमानदारी से देखना। यह संवाद कोई औपचारिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि एक संवेदनशील और सच्चा सामना है। जब हम स्वयं से प्रश्न करते हैं कि हमने बीते वर्ष में क्या पाया, क्या खोया और क्या अधूरा रह गया, तब हमारे भीतर छिपे सत्य धीरे-धीरे सामने आने लगते हैं। यह संवाद हमें हमारे वास्तविक स्वरूप से परिचित कराता है, जो अक्सर समाज, अपेक्षाओं और भूमिकाओं के आवरण में छिप जाता है।

यह नववर्ष एक बाहरी उत्सव से अधिक भीतर की यात्रा का उत्सव है। यह स्वयं से संवाद करने, आत्ममंथन द्वारा अनुभवों को समझने और आत्मनिर्माण के माध्यम से स्वयं को बेहतर गढ़ने का अवसर देता है। जब हम नववर्ष को इस ष्टि से देखते हैं, तब यह केवल एक तारीख नहीं, बल्कि जीवन को सार्थक दिशा देने वाला क्षण बन जाता है। सच्चा नववर्ष वही है, जहाँ मनुष्य अपने भीतर झांककर स्वयं को पहचानता है और हर दिन थोड़ा-सा बेहतर बनने का संकल्प लेकर आगे बढ़ता है। यही आत्ममंथन से आत्मनिर्माण की सच्ची और सार्थक यात्रा है।

स्वयं से संवाद का अगला चरण आत्ममंथन है। आत्ममंथन का अर्थ केवल गलतियों पर पछतावा करना नहीं, बल्कि पूरे वर्ष के अनुभवों को गहराई से समझना है। सफलता ने हमें क्या सिखाया और असफलता ने हमें कितना मजबूत बनाया- इन प्रश्नों के उत्तर आत्ममंथन से ही मिलते हैं। यह प्रक्रिया दूध से मक्खन निकालने जैसी है, जहाँ अनुभवों के समुद्र से जीवन का सार निकाला जाता है। आत्ममंथन हमें यह समझने में मदद करता है कि कौन-से निर्णय सही थे, कौन-से भावनात्मक आवेग हमें भटका ले गए और किन मूल्यों ने हमें कठिन समय में संभाले रखा। इस समझ के बिना नववर्ष के संकल्प केवल खोखले शब्द बनकर रह जाते हैं।

आत्ममंथन का एक महत्वपूर्ण आयाम आत्मस्वीकृति है। अक्सर हम अपने दोषों से भागते हैं और अपनी कमजोरियों को छिपाने का प्रयास करते हैं। नववर्ष का समय हमें यह सिखाता है कि आत्मनिर्माण की शुरुआत आत्मस्वीकृति से होती है। स्वयं को जैसा है वैसा स्वीकार करना कमजोरी नहीं, बल्कि साहस का परिचायक है। जब हम यह मान लेते हैं कि हम पूर्ण नहीं हैं, तभी हम बेहतर बनने की दिशा में कदम बढ़ा सकते हैं। आत्मस्वीकृति हमें अपराधबोध से मुक्त करती है और आत्मविश्वास की नींव रखती है। यह स्वीकार्यता हमें दूसरों के प्रति भी अधिक सहिष्णु और संवेदनशील बनाती है।

आत्ममंथन और आत्मस्वीकृति के बाद आत्मनिर्माण की यात्रा आरंभ होती है। आत्मनिर्माण का अर्थ केवल बाहरी उपलब्धियों को बढ़ाना नहीं, बल्कि भीतर के मनुष्य को गढ़ना है। यह यात्रा विचारों के परिष्कार से शुरू होकर आचरण के परिवर्तन तक जाती है। नववर्ष में लिया गया संकल्प यदि केवल लक्ष्य-केन्द्रित हो, तो वह सीमित रह जाता है, लेकिन यदि वह मूल्य-केन्द्रित हो, तो जीवन की दिशा बदल सकता है। आत्मनिर्माण में अनुशासन, धैर्य और निरंतर प्रयास की आवश्यकता होती है। यह एक दिन या एक महीने की प्रक्रिया नहीं, बल्कि पूरे वर्ष चलने वाली साधना है, जिसमें छोटे-छोटे सुधार मिलकर बड़े परिवर्तन का रूप लेते हैं।

नववर्ष के साथ संकल्प लेने की परंपरा जुड़ी हुई है, परंतु अधिकांश संकल्प कुछ ही दिनों में टूट जाते हैं। इसका कारण यह है कि हम संकल्प लेते समय यथार्थ से अधिक कल्पना में जीने लगते हैं। आत्मनिर्माण की दृष्टि से संकल्प वही सार्थक होते हैं जो हमारी क्षमताओं, परिस्थितियों और मूल्यों के अनुरूप हों।

स्वयं से संवाद हमें यह समझने में मदद करता है कि हमें क्या बदलना है और कितना बदलना संभव है। छोटे, व्यवहारिक और स्पष्ट संकल्प आत्मनिर्माण की प्रक्रिया को मजबूत बनाते हैं। ऐसे संकल्प हमें निराश नहीं करते, बल्कि हर छोटे प्रयास पर संतोष और ऊर्जा प्रदान करते हैं।

आत्मनिर्माण की यात्रा केवल व्यक्तिगत स्तर तक सीमित नहीं रहती, उसका प्रभाव समाज पर भी पड़ता है। जब एक व्यक्ति अपने भीतर सकारात्मक परिवर्तन लाता है, तो उसका व्यवहार, उसकी भाषा और उसका दृष्टिकोण दूसरों को भी प्रभावित करता है। नववर्ष का आत्ममंथन हमें यह समझाता है कि हम समाज का हिस्सा हैं और हमारी जिम्मेदारियाँ केवल स्वयं तक सीमित नहीं हैं। संवेदनशीलता, करुणा और सहयोग जैसे मूल्य आत्मनिर्माण के महत्वपूर्ण स्तंभ हैं। इन मूल्यों के साथ किया गया आत्मविकास समाज में सौहार्द और विश्वास को मजबूत करता है।

नववर्ष की सबसे बड़ी देन आशा है। यह आशा हमें यह विश्वास दिलाती है कि परिवर्तन संभव है और भविष्य को बेहतर बनाया जा सकता है। आत्ममंथन हमें अतीत से सीखने की क्षमता देता है, जबकि आत्मनिर्माण हमें भविष्य को आकार देने की शक्ति प्रदान करता है। आशा के बिना संकल्प निर्जीव हो जाते हैं और प्रयास दिशाहीन। नववर्ष का संदेश यही है कि चाहे बीता हुआ वर्ष जैसा भी रहा हो, आने वाला वर्ष नई संभावनाओं से भरा है, बशर्ते हम उसे सजगता और आत्मविश्वास के साथ स्वीकार करें।

यह नववर्ष एक बाहरी उत्सव से अधिक भीतर की यात्रा का उत्सव है। यह स्वयं से संवाद करने, आत्ममंथन द्वारा अनुभवों को समझने और आत्मनिर्माण के माध्यम से स्वयं को बेहतर गढ़ने का अवसर देता है। जब हम नववर्ष को इस दृष्टि से देखते हैं, तब यह केवल एक तारीख नहीं, बल्कि जीवन को सार्थक दिशा देने वाला क्षण बन जाता है। सच्चा नववर्ष वही है, जहाँ मनुष्य अपने भीतर झांककर स्वयं को पहचानता है और हर दिन थोड़ा-सा बेहतर बनने का संकल्प लेकर आगे बढ़ता है। यही आत्ममंथन से आत्मनिर्माण की सच्ची और सार्थक यात्रा है। एडीथ पियर्स कहते है- नया साल एक खाली पन्नो की किताब की तरह खड़ा है, अब यह हमारे ऊपर है हम उस पहले पन्ने पर क्या लिखेंगे। इस किताब को अवसर कहते हैं और पहला पन्ना पहला दिन है।

नजरिया

पारिवारिक परंपरा को बोझ नहीं, वैश्विक समाधान समझें

ललित गर्ग

मोबाइल : 9811051133

वैश्विक परिवार दिवस, शान्ति और साझेदारी का एक दिन, संयुक्त राज्य अमेरिका में प्रतिवर्ष 1 जनवरी को मनाया जाता है। यह दिवस संयुक्त राष्ट्र सहस्राब्दी समारोह, 'शान्ति में एक दिन' से विकसित हुआ। समग्र विश्व एक वैश्विक ग्राम है और हम सभी इस बृहत-परिवार का हिस्सा हैं। भारत ने तो वसुधैव कुटुम्बकम का उद्घोष करते हुए समूची दुनिया को एक परिवार ही माना है। वैसे भारत की परिवार परम्परा दुनिया के लिये अनुकरणीय है। हम सभी एक परिवार हैं, चाहे हमारी नागरिकता, धर्म, जाति, सीमाएं या नस्ल कुछ भी हो। समग्र मानव जाति को एक साथ आना चाहिए और प्रेम और शान्ति में विश्वास करना चाहिए और विश्व में सुख और आशा लाने हेतु इसका अभ्यास करना चाहिए। संसार संघर्षों, युद्धों, उपद्रवों, कष्ट और पीड़ा से भरा पड़ा है। यदि हम सभी एक साथ आएं और दुनिया को प्रेम और धैर्य से ठीक करें, तो हम सभी खुशी से और अपने हृदयों में आशा के साथ रह सकते हैं। वैश्विक परिवार दिवस विविधता एवं एकता और विश्व शान्ति और अहिंसा महत्त्व के बारे में जागरूकता लाता है।

इस दिवस की शुरुआत 1997 में हुई जब संयुक्त राष्ट्र महासभा ने नव सहस्राब्दी के पहले दिन से विश्व के बच्चों के लिए शांति और अहिंसा की संस्कृति के अंतर्राष्ट्रीय दशक की शुरुआत की। लिंडा ग्रोवर ने अमेरिका में इसे बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और इसे बढ़ावा देने के अन्य प्रयासों में वन डे इन पीस - जनवरी 1, 2000' जैसी पुस्तकें शामिल थीं। यह पुस्तक भविष्य में एक ऐसे दिन की अवधारणा पर आधारित थी जहाँ केवल शांति हो और कोई युद्ध न हो। हालांकि, यह एक नए शांतिपूर्ण विश्व की शुरुआत मात्र थी और 1999 में, संयुक्त राष्ट्र के सभी सदस्य देशों को उस वर्ष के पहले दिन को शांति निर्माण की रणनीतियों को विकसित करने के लिए समर्पित करने का निमंत्रण मिला। इस दिन के सकारात्मक प्रभाव को देखते हुए, संयुक्त राष्ट्र ने 2001 में वैश्विक परिवार दिवस को वार्षिक आयोजन घोषित कर दिया।

प्रत्येक वर्ष परिवार की भूमिका, उसकी बदलती संरचना और सामाजिक प्रासंगिकता पर विचार करने का अवसर देने वाला वैश्विक परिवार दिवस आज के समय में केवल एक औपचारिक आयोजन नहीं रह गया है, बल्कि वह आधुनिक समाज की सबसे गहरी विडंबनाओं और चुनौतियों को उजागर करने वाला एक चिंतन-दिवस बन गया है। परिवार मानव जीवन की वह मूल इकाई है, जहाँ व्यक्ति का भावनात्मक, नैतिक और सामाजिक निर्माण होता है। भारतीय संदर्भ में परिवार केवल रक्त-संबंधों का समूह नहीं रहा, बल्कि वह संस्कारों की पाठशाला, शांति, सहयोग एवं सौहार्द की प्रयोगभूमि और जीवन-मूल्यों का आधार रहा है। इसी परिवार-परंपरा ने भारत को सदियों तक सामाजिक स्थिरता, अहिंसा, सहिष्णुता और मानवीय करुणा का देश बनाए रखा। आज विडंबना यह है कि जिस भारतीय परिवार व्यवस्था को दुनिया एक आदर्श मॉडल के रूप में देख रही है, उसी भारत में वह धीरे-धीरे उपेक्षा और विस्मृति का शिकार होती जा रही है।

वैश्विक परिवार दिवस और शांति व साझेदारी का वैश्विक संदेश हमें यह सिखाता है कि परिवार जितना सशक्त होगा, समाज उतना ही शांत और सहयोगी बनेगा। परिवारों में संवाद होगा तो समाज में टकराव कम होंगे। परिवारों में साझेदारी होगी तो राष्ट्रों के बीच भी सहयोग की भावना मजबूत होगी। इसलिए आज आवश्यकता इस बात की है कि भारत अपनी पारिवारिक परंपरा को बोझ नहीं, बल्कि वैश्विक समाधान के रूप में देखे। अंततः वैश्विक परिवार दिवस हमें आत्ममंथन का अवसर देता है। यदि परिवार सशक्त हुए तो शांति, साझेदारी और मानवीय मूल्यों का भविष्य सुरक्षित रहेगा।

वैश्विकरण, शहरीकरण, प्रतिस्पर्धा और उपभोक्तावादी जीवनशैली ने परिवार को सुविधा-केंद्रित इकाई में बदल दिया है। संयुक्त परिवारों का विघटन, एकल परिवारों का बढ़ना और रिश्तों में औपचारिकता का प्रवेश इस परिवर्तन की स्पष्ट पहचान है। माता-पिता दोनों के कार्यरत होने की स्थिति में बच्चों के साथ समय बिताना एक चुनौती बन गया है। परिणामस्वरूप बचपन, जो कभी परिवार के स्नेह, संवाद और अनुभवों से संवरता था, आज स्क्रीन, अकेलेपन और भावनात्मक रिक्तता के बीच पनप रहा है। बच्चों के जीवन में माता-पिता की अनुपस्थिति केवल समय की कमी नहीं है, बल्कि वह सुरक्षा, संवाद और मार्गदर्शन की कमी भी है। परिवार का वह सहज वातावरण, जहाँ प्रश्न पूछे जा सकते थे, गलतियाँ स्वीकार की जा सकती थीं और भावनाएँ साझा की जा सकती थीं, आज धीरे-धीरे सिमटता जा रहा है

बुजुर्ग, जो कभी परिवार की धुरी हुआ करते थे, अनुभव और संस्कार के संवाहक थे, आज कई घरों में हाशिये पर खड़े दिखाई देते हैं। उनके पास समय नहीं, धैर्य नहीं और कभी-कभी सम्मान भी नहीं बचा। यह स्थिति केवल पीढ़ियों के बीच दूरी नहीं बढ़ा रही, बल्कि समाज को उसके नैतिक आधार से भी वंचित कर रही है।

दूसरी ओर, यह भी एक महत्वपूर्ण तथ्य है कि वैश्विक स्तर पर आज परिवार की भूमिका को नए सिरे से समझा जा रहा है। पश्चिमी देशों में, जहाँ अत्यधिक व्यक्तिगत स्वतंत्रता ने सामाजिक अकेलेपन को जन्म दिया, अब परिवार, साझेदारी और सामूहिक जीवन की पुनर्स्थापना पर गंभीर विमर्श हो रहा है। इसी क्रम में वैश्विक परिवार दिवस को केवल परिवार के रूप में नहीं, बल्कि शांति, सहयोग और साझेदारी के प्रतीक के रूप में भी देखा जाने लगा है। उल्लेखनीय है कि संयुक्त राज्य अमेरिका में इस दिवस को शांति और साझेदारी के वैश्विक दिवस के रूप में भी परिवार और मानवीय संबंधों के महत्व को रेखांकित किया जाता है। यह संकेत देता है कि परिवार केवल निजी जीवन की इकाई नहीं, बल्कि वैश्विक शांति और सामाजिक संतुलन की आधारशिला भी है। दुनिया भर में संस्कृतियाँ और धर्म अलग-अलग हो सकते हैं लेकिन सच्चाई यह है कि पूरी मानव जाति एक बड़ा परिवार है जो एकजुट होकर ही जीवित रह सकती है। इस वर्ष वैश्विक परिवार दिवस की थीम परिवार, शिक्षा और कल्याणः आज और भविष्य इस तथ्य की ओर संकेत करती है कि परिवार की भूमिका केवल बच्चों को पालने तक सीमित नहीं है, बल्कि वह शिक्षा का पहला केंद्र और कल्याण का स्थायी आधार है।

वैश्विक परिवार दिवस की प्रासंगिकता इसी बिंदु पर सबसे अधिक उभरकर सामने आती है कि परिवार केवल रहने की व्यवस्था नहीं, बल्कि जीने की संस्कृति है। परिवार में बिताया गया समय निवेश है, व्यय नहीं। बच्चों के साथ संवाद, बुजुर्गों के साथ सहभागिता और रिश्तों के बीच संवेदनशीलता समाज के दीर्घकालिक स्वास्थ्य की गारंटी है। यदि आज परिवार टूट रहे हैं, तो उसका प्रभाव केवल घर की चारदीवारी तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि वह सामाजिक असंतुलन, मानसिक तनाव और मूल्यहीनता के रूप में व्यापक रूप से सामने आएगा। इस संदर्भ में आवश्यक है कि हम परिवार को नए दृष्टिकोण से देखें। आधुनिकता और परंपरा के बीच संतुलन स्थापित किया जाए। कार्य और परिवार के बीच प्राथमिकताओं का पुनर्निर्धारण हो। डिजिटल सुविधाओं के साथ मानवीय संवाद को भी उतना ही महत्व दिया जाए। बच्चों के लिए समय निकालना दायित्व नहीं, बल्कि भविष्य के समाज में निवेश के रूप में समझा जाए। बुजुर्गों को केवल सहारा नहीं, बल्कि मार्गदर्शक के रूप में पुनः स्वीकार किया जाए।

वैश्विक परिवार दिवस और शांति व साझेदारी का वैश्विक संदेश हमें यह सिखाता है कि परिवार जितना सशक्त होगा, समाज उतना ही शांत और सहयोगी बनेगा। परिवारों में संवाद होगा तो समाज में टकराव कम होंगे। परिवारों में साझेदारी होगी तो राष्ट्रों के बीच भी सहयोग की भावना मजबूत होगी। इसलिए आज आवश्यकता इस बात की है कि भारत अपनी पारिवारिक परंपरा को बोझ नहीं, बल्कि वैश्विक समाधान के रूप में देखे। अंततः वैश्विक परिवार दिवस हमें आत्ममंथन का अवसर देता है। यदि परिवार सशक्त हुए तो शांति, साझेदारी और मानवीय मूल्यों का भविष्य सुरक्षित रहेगा। भारतीय परिवार परंपरा आज भी प्रासंगिक है, आवश्यक है कि हम उसे समयानुकूल रूप देते हुए अपने जीवन के केंद्र में पुनः स्थापित करें, क्योंकि मजबूत परिवार ही मजबूत समाज और शांत विश्व की आधारशिला होते हैं।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

जश्न

अमृतसर में बुधवार को पंजाब के अमृतसर में नए साल की शाम के जश्न के दौरान फोटो खिंचवाते हुए युवा अपने हाथों और चेहरों पर रंग लगाते हुए।

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में पिछले एक दशक में अयोध्या में आया बदलावः योगी आदित्यनाथ

अयोध्या (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को यहां कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पिछले एक दशक में अयोध्या की स्थिति में काफी बदलाव आया है। उन्होंने कहा कि व्यक्तिगत हितों और धार्मिक कट्टरता से प्रभावित लोगों के कारण अयोध्या पहले अशांति और संघर्ष का गढ़ बन गई थी।

आदित्यनाथ के साथ रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी थे, जिन्होंने राम मंदिर परिसर में अन्नपूर्णा मंदिर में ध्वजारोहण किया और प्राण प्रतिष्ठा की दूसरी वर्षगांठ के मौके पर पूजा में शामिल हुए।

मुख्यमंत्री ने श्री राम जन्मभूमि आंदोलन में सक्रिय भूमिका के लिए सिंह की तारीफ करते हुए कहा कि लगभग 500 साल बाद मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा पूरे देश के लिए गर्व और भावनात्मक संतुष्टि का क्षण था।

अयोध्या में एक धार्मिक सभा को संबोधित करते हुए आदित्यनाथ ने कहा कि सिंह राज्य सरकार और संगठन में विभिन्न जिम्मेदारियों को निभाते हुए राम जन्मभूमि आंदोलन से घनिष्ठ रूप से जुड़े रहे और वह 'प्रतिष्ठा द्वादशी' के अवसर पर अन्नपूर्णा मंदिर में ध्वजारोहण समारोह के दौरान भावुक दिखाई दिए।

मुख्यमंत्री ने याद किया कि आजादी के बाद अयोध्या ने राम जन्मभूमि आंदोलन के कई चरण देखे और आरोप लगाया कि तुष्टीकरण की राजनीति और धार्मिक कट्टरता के कारण, पवित्र शहर एक समय अशांति और संघर्ष का केंद्र बन गया था। उन्होंने कहा कि पिछले 11 सालों में प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में स्थिति में बदलाव आया है।

आदित्यनाथ ने कहा, अयोध्या का नाम ही यह बताता है कि यहां कभी कोई युद्ध नहीं हुआ क्योंकि कोई भी शत्रु इसकी वीरता, शक्ति और गौरव के सामने टिक नहीं सका। उन्होंने कहा, हालांकि, कुछ लोगों ने अपने व्यक्तिगत स्वार्थों, धार्मिक कट्टरता और तुष्टीकरण की घृणित राजनीति से प्रेरित होकर अयोध्या को अशांति और संघर्ष का अड्डा बना दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा, फिर भी, यह वही अयोध्या है, जिसने देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सफल नेतृत्व में पिछले 11 सालों में तीन महत्वपूर्ण घटनाएं देखी हैं जिन्हें कभी भुलाया नहीं जा सकता।

प्रदर्शन

नई दिल्ली में बुधवार को नॉर्थ ईस्ट स्टूडेंट्स यूनियन के सदस्य प्लेकार्ड पकड़े हुए त्रिपुरा की स्टूडेंट एंजल चकमा की हत्या के खिलाफ नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर बुधवारको विरोध प्रदर्शन किया।

31 किलोमीटर की दौड़... खास अंदाज में नए साल का जश्न मनाएंगी सैयामी खेर

मुंबई/एजेन्सी

साल 2025 खत्म होने को है और नए साल 2026 के स्वागत की तैयारियां जोरों पर हैं। बॉलीवुड सितारे सोशल मीडिया और इंटरव्यू में अपने न्यू ईयर प्लान शेयर कर रहे हैं। इसी सिलसिले में अभिनेत्री सैयामी खेर ने भी बताया कि वह नए साल का स्वागत परिवार की पुरानी परंपराओं के साथ करेंगी। फिटनेस लवर सैयामी दिन की शुरुआत एक लंबी दौड़ से करेंगी, उसके बाद अपनों के साथ कैंपिंग, बारबेक्यू और मस्ती का प्लान है। अभिनेत्री सैयामी खेर नए साल की शुरुआत परिवार और दोस्तों के साथ घर पर समय बिताकर करेंगी। उनका मानना है कि नया साल अपनों के साथ मनाना सबसे खास होता है। परिवार की परंपरा को निभाते हुए वह पहले दिन की शुरुआत एक लंबी दौड़ से करेंगी। आईएएनएस से बातचीत में सैयामी ने बताया, नया साल परिवार और दोस्तों के साथ घर पर मनाना सबसे खास होता है। यह हमारी पुरानी परंपरा है। दोस्तों के साथ अलाव जलाते हैं, बारबेक्यू करते हैं, टेंट लगाकर बाहर कैंपिंग करते हैं। इस बार सैयामी ने अपने जश्न में फिटनेस का तड़का लगाने का फैसला किया है। साल के पहले दिन वह सुबह 31 किलोमीटर दौड़ेंगी। उसके बाद पारंपरिक उत्सव जारी रहेगा। सैयामी ने कहा, इस नए साल को मैं धमाकेदार तरीके से खत्म करना चाहती हूं, इसलिए सुबह 31 किलोमीटर दौड़ूंगी। फिर खाना, डेजर्ट, संगीत, बोर्ड गेम्स और कैंपिंग जैसा सामान्य जश्न होगा। सैयामी खेर फिटनेस के लिए जानी जाती हैं। वह मैराथन और ट्रायथलॉन में हिस्सा लेती रहती हैं। लंबी दौड़ उनके लिए नई नहीं है, बल्कि यह उनकी लाइफस्टाइल का हिस्सा है। करियर के लिहाज से भी सैयामी के लिए साल 2025 बेहद खास रहा। सैयामी ने हाल ही में अक्षय कुमार और सैफ अली खान के साथ अपकमिंग फिल्म 'हैवान' की शूटिंग पूरी की है। प्रियदर्शन निर्देशित इस फिल्म में शरीब हाशमी भी मुख्य भूमिका में हैं। कोच्चि, ऊटी और मुंबई जैसी खूबसूरत लोकेशंस पर शूट हुई यह फिल्म अगस्त 2025 में फ्लोर पर आई थी। सैयामी की इस साल रिलीज फिल्म 'जाट' भी सफल रही।

वंदे भारत स्लीपर ट्रेन का 180 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार का अंतिम परीक्षण पूरा

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय रेलवे ने स्वदेशी रूप से डिजाइन की गई 'वंदे भारत स्लीपर ट्रेन' का अंतिम चरण का हाई-स्पीड परीक्षण सफलतापूर्वक पूरा करने के साथ आत्मनिर्भर रेल प्रौद्योगिकी की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल कर ली है। मंत्रालय के अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने इस संबंध में जानकारी देते हुए कहा, रेल सुरक्षा आयुक्त (सीआरएस) की देखरेख में किया गया यह परीक्षण कोटा-नागदा खंड पर हुआ, जहां ट्रेन ने 180 किलोमीटर प्रति घंटे की अधिकतम गति प्राप्त की।

वंदे भारत स्लीपर ट्रेन पूर्व में कई बार निर्धारित समय सीमा से चूक चुकी है। नवंबर के मध्य में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा था कि यह ट्रेन दिसंबर 2025 में शुरू की जाएगी। वैष्णव ने 30 दिसंबर को अपने सोशल मीडिया हैंडल 'एक्स' पर सुरक्षा परीक्षण का एक वीडियो साझा किया। वीडियो में पानी से भरे गिलासों की स्थिरता का प्रदर्शन किया गया। ट्रेन की तेज गति के बावजूद पानी से भरे गिलास स्थिर रहे।

रेल मंत्री ने अपने पोस्ट में कहा, रेल सुरक्षा आयुक्त द्वारा आज किए गए परीक्षण में वंदे भारत स्लीपर ट्रेन कोटा-नागदा खंड के बीच 180 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चली। हमारे स्वयं के पानी के गिलास के परीक्षण ने इस नई पीढ़ी की ट्रेन की तकनीकी विशेषताओं को प्रदर्शित किया।

अधिकारियों ने ट्रेन के सुरक्षा परीक्षण के बारे में बताया कि सवारी स्थिरता, दोलन, कंपन व्यवहार, ब्रेकिंग प्रदर्शन, आपातकालीन ब्रेकिंग प्रणाली, सुरक्षा प्रणालियों और अन्य महत्वपूर्ण मापदंडों के आकलन सहित व्यापक तकनीकी मूल्यांकन किए गए। रेल मंत्रालय के अधिकारियों ने एक प्रेस विज्ञप्ति में दावा किया, उच्च गति पर ट्रेन का प्रदर्शन पूरी तरह संतोषजनक पाया गया और सीआरएस द्वारा परीक्षण को सफल घोषित किया गया।

अधिकारियों के अनुसार, परीक्षण में इस्तेमाल की गई 16 कोच वाली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन लंबी दूरी के सफर को ध्यान में रखकर डिजाइन की गई है और इसमें यात्रियों के लिए अत्याधुनिक सुविधाएं मौजूद हैं।

कियारा आडवाणी के लिए शानदार रहा साल 2025

मुंबई/एजेन्सी

नए साल के आगमन में कम ही समय बचा है और हर कोई साल 2025 की यादों को याद कर नए साल के बेहतरीन होने की कामना कर रहा है। ये साल कियारा आडवाणी के लिए भी खास रहा है क्योंकि साल 2025 में उनकी पर्सनल लाइफ से लेकर प्रोफेशनल लाइफ तक सब कुछ शानदार रहा। अभिनेत्री ने भी साल 2025 की यादों को ताजा किया है। साल की शुरुआत ही अभिनेत्री की दो शानदार फिल्मों से हुई, जहां उन्होंने तमिल और हिंदी ऑडियंस को अपनी एक्टिंग से मंत्रमुग्ध कर दिया। साल की शुरुआत में ही उनकी तेलुगु-भाषा की एक्शन थ्रिलर फिल्म 'गेम चेंजर' रिलीज हुई, जिसमें वे दक्षिण अभिनेता राम चरण के साथ नजर आई। फिल्म ने हिंदी और तमिल बेल्ट में अच्छा प्रदर्शन किया लेकिन ओवरऑल कमाई के मामले में फिल्म पिछड़ गई। हालांकि फिल्म अभिनेत्री के लिए शानदार रही, क्योंकि आलोचकों तक ने उनके किरदार की तारीफ की। अभिनेत्री की दूसरी फिल्म रही 'वॉर-2', जहां उनके बोल्ड अवतार ने फैंस का दिल जीत लिया। फिल्म में अभिनेत्री ने दो बड़े हीरो ऋतिक रोशन और जूनियर एनटीआर के साथ काम किया था और फिल्म बॉक्स ऑफिस पर औसत रही। इसके अलावा, कियारा ने फैशन इवेंट मेट गाला में डेब्यू किया था, जहां उनके क्यूट बेबी बंप के साथ फोटोज सोशल मीडिया पर बेहद पसंद की गई थी।

कियारा ने सिर्फ प्रोफेशनल लेवल पर ही नाम नहीं कमाया, बल्कि पर्सनल लेवल पर भी उनका प्रमोशन हो गया। अभिनेत्री ने इसी साल 15 जुलाई को बेटी सरायाह मल्होत्रा को जन्म दिया। बेटी के आगमन से उनकी पूरी दुनिया बदल गई। अब साल के आखिर में वे फिर साउथ के सुपरस्टार यश के साथ फिल्म 'टॉक्सिक' कर रही हैं, जिसमें वे नादिया का किरदार निभा रही हैं। उनके किरदार का पहला पोस्टर रिलीज के साथ ही सुर्खियां बटोर रहा है। ये फिल्म अगले साल रिलीज होगी। कियारा ने साल 2026 को भी 2025 की तरह ही खास और यादगार बनाने की कामना जताई है। साल के आखिरी दिन उन्होंने सोशल मीडिया पर भावुक शब्दों में बीते साल को याद करते हुए लिखा कि यह उनके लिए ऐसा साल रहा, जिसने उनके दिल को पहले से कहीं ज्यादा बड़ा कर दिया। यह साल नए अनुभवों का रहा, सीखने और खुद को बेहतर बनाने, निरंतर विकास और ढेरों आशीर्वादों से भरा रहा।

रीमा दास सहित 11 फिल्मकारों को न्यूयॉर्क वीमेन इन फिल्म एंड टेलीविजन ने किया सम्मानित

नई दिल्ली/भाषा

न्यूयॉर्क वीमेन इन फिल्म एंड टेली विजन (एनवाईडब्ल्यू आईएफटी) की ओर से फिल्मकार रीमा दास को उनकी फिल्म ''विलेज रॉकस्टार्स 2'' के लिए 'एक्सीलेंस इन डायरेक्टिंग' पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। एक विज्ञप्ति के अनुसार न्यूयॉर्क वीमेन इन फिल्म एंड टेलीविजन (एनवाईडब्ल्यूआईएफटी) अमेरिका के मनोरंजन उद्योग की सबसे प्रतिष्ठित गैर-लाभकारी संस्थाओं में से एक है, जो फिल्म, टेलीविजन और डिजिटल मीडिया में काम करने वाली महिलाओं का समर्थन, प्रोत्साहन और उन्हें सम्मानित करने के लिए समर्पित है।

सिनेमा के योगदान के लिए दास सहित 11 अंतरराष्ट्रीय फिल्मकारों को सम्मानित किया गया। फिल्मकार ने कहा कि यह सम्मान उनके लिए बहुत मायने रखता है। दास ने कहा, ''विलेज रॉकस्टार्स 2'' के लिए न्यूयॉर्क वीमेन इन फिल्म एंड टेलीविजन से यह सम्मान पाना मेरे लिए बहुत महत्वपूर्ण है। मैं इसे सिर्फ व्यक्तिगत सम्मान नहीं मानती, बल्कि इस रूप में देखती हूं कि भारत की कहानियां, जो ईमानदारी और जीवन के अनुभवों से कही जाती हैं, सीमाओं के पार जा सकती हैं।'' उन्होंने कहा, ''मेरा सिनेमाई सफर और महत्वाकांक्षाएं व्यापक हैं और यह समर्थन मुझे अधिक समावेशी वैश्विक सिनेमा बनाने के विश्वास को मजबूत करता है।''

यह फिल्म रीमा दास की बहुपुरस्कृत फिल्म ''विलेज रॉकस्टार'' का सीक्वल है। इसका विश्व प्रीमियर 2024 में बुसान अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में हुआ था, जहां इसे 'किम जीसोक अवॉर्ड फॉर बेस्ट फिल्म' मिला था। रीमा दास के अलावा सम्मानित अन्य हस्तियों में ''नैटचेज'' के लिए सुजाना हर्बर्ट, ''ऑल दैट्स लेफ्ट ऑफ यू'' के लिए शेरियन डाबिस, ''ए फ्लाई ऑन द वॉल'' के लिए शोनाली बोस, ''एन अनक्राइट माइंड'' के लिए रेचेल इम्मराज, ''लुकिंग अप'' के लिए एलेना न्यूमैन, ''आफ्टर ऑल'' के लिए कर्स्टिन कार्लहूबर, ''भी पीरियड'' के लिए लीजा कनिंघम, ''माइल्स अवे'' के लिए जैकी क्रिनोंस, ''कटिंग थ्रू रॉक्स'' के लिए सारा खाकी और मोहम्मदरेज़ा एयनी और ''द फ्लोटर्स'' के लिए रेचेल इजराइल शामिल हैं।

बैंक धोखाधड़ी मामलाः ईडी ने लंदन के बकिंघम पैलेस के पास 150 करोड़ रुपए की संपत्ति जब्त की

नई दिल्ली/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कपड़ा क्षेत्र की प्रमुख कंपनी एस. कुमार्स नेशनवाइड लिमिटेड और उसके पूर्व चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) नितिन कासलीवाल से जुड़े कथित बैंक ऋण धोखाधड़ी और धनशोधन मामले में लंदन में बकिंघम पैलेस के पास स्थित 150 करोड़ रुपए मूल्य की एक अचल संपत्ति को कुर्क किया है।

केंद्रीय जांच एजेंसी ने बुधवार को एक बयान में कहा कि इस संपत्ति को कुर्क करने के लिए मंगलवार को धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत एक अस्थायी आदेश जारी किया गया। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बताया कि बकिंघम पैलेस के पास स्थित 150 करोड़ रुपए मूल्य की यह उच्च मूल्य वाली संपत्ति नितिन शंभुकुमार कासलीवाल और उनके परिवार के सदस्यों के लाभकारी स्वामित्व में है।

ईडी के अनुसार, कासलीवाल पर भारतीय बैंकों के एक संघ ने लगभग 1,400 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी करने का आरोप लगाया है। विदेश में स्थित संपत्ति को कुर्क करने के बाद प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) उस देश की समकक्ष एजेंसियों से संपर्क करता है ताकि धनशोधन रोधी कानून के आपराधिक प्रावधानों के तहत ऐसी संपत्ति का कब्जा लिया जा सके।

एजेंसी ने आरोप लगाया कि नितिन कासलीवाल ने एस. कुमार्स नेशनवाइड लिमिटेड के माध्यम से बैंकों के एक संघ के साथ धोखाधड़ी की और विदेशी निवेश की आड़ में धनराशि को भारत से बाहर भेज दिया।

इसके बाद उन्होंने विदेशों में कई अचल संपत्ति खरीदीं जिन्हें विदेशी क्षेत्रों में निजी ट्रस्ट और कंपनियों की जटिल संरचना के माध्यम से छिपाया गया। ईडी ने इस मामले में 23 दिसंबर को छापेमारी की थी और कुछ दस्तावेज तथा इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जब्त किए थे।

मुझे राजस्थान और यहां की कल्चर से बहुत ज्यादा लगाव हैः अभिनेत्री जाह्नवी सोनी

जयपुर/मुंबई

'पारो संग देव' की अभिनेत्री जाह्नवी सोनी ने कहा कि मुझे राजस्थान और यहां की संस्कृति से बहुत ज्यादा लगाव है। उन्होंने जयपुर के बारे में बोलते हुए कहा कि जैसा कि शहर का नाम पिंक सिटी है, यहां सबकुछ ऐसा ही है; यहां की हवा में कुछ है। यहां की हवाएं गुलाबी हैं। जयपुर और उसकी हवा में रोमांस है। उन्होंने कहा कि जयपुर मुझे इतना पसंद है कि मैं हमेशा वहां जाने के बारे में सोचती रहती हूं। हालांकि अभी वहां पर बहुत सर्दी है। जयपुर में बहुत शांति है। जैसा कि अब हमारा शो ऑफ एयर हो गया है, तो मैं किसी भी तरह वहां जाना चाहती हूं। यहां बहुत सुकून है। उन्होंने नवाजुद्दीन सिद्दीकी और भूमि पेडनेकर जैसे कलाकारों के साथ काम करने से जुड़े सवाल पर कहा कि वे सब भी उसी प्रक्रिया से निकलकर आए हैं। उन सभी में वह गंभीरता है जो मैं मानकर चल रही थी। कुछ लोगों को भ्रम है कि कलाकार नशा करते हैं, ड्रग्स लेते हैं, लेकिन यह सब अफवाह है। ऐसा यहां कुछ भी नहीं है। वहीं, 'वन टू चा चा चा' में कॉमेडी फिल्म के अभिनेता हर्ष मायर ने कहा कि कॉमेडी में एक और साइड एक्सप्लोर करने का मौका मिला, बड़ा मजा आया यह फिल्म करने में। क्योंकि यह एक कॉमेडी फिल्म है, तो इसका दर्शकों को बहुत इंतजार होगा, क्योंकि बॉलीवुड में सालों से कोई क्लीन कॉमेडी फिल्म नहीं आई है।

उन्होंने कहा कि एक एक्टर की तरफ से मुझे फिल्में करने में बहुत मजा है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में मुझे बहुत सारे किरदार करने हैं। पुलिस, जासूस, और कई दूसरी तरह के रोल मैं करना पसंद करूंगा। उन्होंने कहा कि एक्टिंग समय के साथ-साथ और निखरती जाती है। यह एक हमेशा सीखने वाली प्रक्रिया है। जब हम सीखना बंद कर देते हैं तो हमारी एक्टिंग वहीं रुक जाती है, इसलिए सीखना बहुत जरूरी है। फिल्म 'हिचकी' में रानी मुखर्जी के साथ काम करने को लेकर उन्होंने कहा कि मैंने उनसे बहुत सारा सीखा है। बॉलीवुड में रानी के जैसे मंझे हुए बहुत कम कलाकार हैं। हालांकि, कई बार धुरंधर कलाकारों के साथ काम करने में हिचक होती है, लेकिन उनसे बहुत कुछ सीखने को मिलता है।

अभिनेत्री प्रिया मलिक ने आईएएनएस से अपनी आवाज को लेकर कहा कि पहले अल्फाज आते हैं और फिर उन अल्फाज को आप अपनी आवाज देते हैं। फिर एक ऐसा पॉइंट आता है, जब अल्फाज आपकी आवाज बन जाते हैं और आपकी आवाज आपके अल्फाज बन जाते हैं, ये एक साइकल है। यह एक सफर है, जो कविता के साथ पूरा होता है। उन्होंने कहा कि कविता मेरे लिए मेरी पूजा, जुनून और भक्ति है। यह मेरे लिए सबकुछ है। कविताएं आपको जीना और प्यार करना सिखाती हैं। यहां तक कि कविताएं आपको जीवन का पाठ सिखाती हैं।

श्रद्धांजलि

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा ज़िया की अंतिम यात्रा के दौरान ढाका में बुधवार को श्रद्धांजलि देने के लिए लोग इकट्ठा हुए।

अब उम्र, जॉनर या फॉर्मेट की कोई बाधा नहीं रही : मोनासिंह

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड और टीवी इंडस्ट्री में बहुत से कलाकार आते हैं और चले जाते हैं, लेकिन कुछ ऐसे भी होते हैं, जो बदलते दौर के साथ खुद को ढालते हैं। ऐसी ही एक अभिनेत्री हैं मोना सिंह, जिन्होंने टीवी, सिनेमा और डिजिटल प्लेटफॉर्म, तीनों में अपनी जगह बनाई है। मोना के लिए बीते 25 साल व्यक्तिगत और पेशेवर दोनों तरह के विकास का दौर रहा। आईएएनएस से बात करते हुए मोना सिंह ने अपने करियर के सफर को हमेशा सीखने से भरा हुआ बताया। उन्होंने कहा, ''मैंने इंडस्ट्री के साथ-साथ खुद को भी आगे बढ़ाया है। मुझे ऐसे किरदार मिले जिन्होंने चुनौती दी और मेरी क्षमता को परखा। इतने सालों बाद भी अगर मैं उत्साहित हूं, तो यह मेहनत और सीख का ही परिणाम है।'' उन्होंने कहा, ''मैं खुद को खुशकिस्मत मानती हूं कि मुझे ऐसे मौके मिले, जहां मैंने अलग-अलग माध्यमों में काम करते हुए अपनी पहचान बनाई।'' जब उनसे इंडस्ट्री में आए सबसे बड़े बदलाव के बारे में पूछा, तो मोना ने कहा, ''इंडस्ट्री में काफी बदलाव आए, लेकिन सबसे ज्यादा हैरानी इस बात की हुई कि इंडस्ट्री ने बदलाव को इतनी जल्दी अपनाया। ओटीटी प्लेटफॉर्म के आने से कलाकारों और कहानीकारों के लिए नए मौके खुले। अब उम्र, जॉनर या फॉर्मेट की कोई बाधा नहीं रही।''उन्होंने कहा, ''सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए दर्शक भी सीधे कलाकारों से जुड़ सकते हैं। 90 के दशक में कभी सोचा भी नहीं था कि एक दिन दर्शक कलाकारों से इतनी सीधे बातचीत कर सकेंगे।''

'मारवाड़ कांठा प्रीमियर लीग' का आयोजन 4 को, तैयारियां पूर्ण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। मारवाड़ कांठा समाज (तेरापंथी परिवार) के तत्वावधान में आगामी 4 जनवरी को होने वाली 'मारवाड़ कांठा प्रीमियर लीग' के बैनर का अनावरण एक होटल में संगठन के अध्यक्ष गौतमचंद मुथा की अध्यक्षता में हुआ। गौतमचंद मुथा ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि संगठन आपसी सौहार्द,सामंजस्य,विश्वास ओर मेलजोल के महत्वपूर्ण सूत्रों पर आगे बढ़ रहा है। इस तरह के खेल प्रतियोगिताएं युवा वर्ग को एकजुट करने में सार्थक सिद्ध होती है । मुथा ने बताया कि आगामी 1 फरवरी को मारवाड़ कांठा समाज का विराट स्तर पर स्नेह मिलन का आयोजन किया जाएगा। संयोजक भूपेंद्र रायसोनी के साथ युवा टीम ने लीग के बारे में जानकारी दी। संस्था के अध्यक्ष व प्रतियोगिता के प्रायोजकों ने बैनर का अनावरण किया। कार्यक्रम में भाग लेने वाली टीमों एवं टीम प्रायोजकों का सम्मान किया गया।

संस्था के मंत्री नवनीत मुथा ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए बताया कि रविवार को सेंट्रल कॉलेज ग्राउंड पर बॉक्स क्रिकेट एवं पिक्कल बॉल प्रतियोगिता सुबह 9.30 बजे से आयोजित है जिसमें मारवाड़ कॉंठा समाज के तेरापंथी परिवार हिस्सा लेंगे।ङ्क कार्यक्रम में तेरापंथ सभा गांधीनगर के अध्यक्ष पारसमल भंसाली, शान्ति सकलेचा,ज्योति संचेती आदि ने अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में विनोद मुथा, राजू धोका,दीपक सेठिया,दिलीप भंसाली, दीक्षित सोलंकी, आनंद छाजेड़, हिमांशु चंडालिया, भरत बोहरा, प्रणव धारीवाल, मुकेश मुथा,दिनेश धोका,भरत रायसोनी, जितेंद्र चोपड़ा आदि अनेक कार्यकर्ता प्रतियोगिता की तैयारियों में जुटे हैं। इस अवसर पर कांठा प्रांत के हनुमान गादिया, शांतिलाल छाजेड़, शांतिलाल पोरवाल, माणक मुथा, यशवंतराज रायसोनी, देवराज रायसोनी सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे। आयोजन प्रभारी दिनेश छाजेड़ ने धन्यवाद दिया ।

तेरापंथ महिला मंडल हनुमंतनगर ने आयोजित की पहली संगठन यात्रा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के हनुमंतनगर की तेरापंथ महिला मंडल की पहली संगठन यात्रा आयोजित हुई। मंडल की अध्यक्षा संगीता तातेड़ के निर्देशानुसार मंत्री पपिता दक, संगठन मंत्री ज्योति डागा, सहमंत्री रेखा भटेवरा और अंजलि दुधेडिया ने क्षेत्र की 7 सदस्याओं के घर जाकर यात्रा की तथा उन्हें धर्म ध्यान के जागरुक रहना व मंडल की हर कार्यशाला में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। पदाधिकारियों ने युवतियों को ऑनलाइन कार्यशाला से जुड़ने का आह्वान किया। यात्रा में मंडल की विभिन्न गतिविधियों की जानकारी दी गई तथा अन्य उपस्थित जनों को मंडल से जुड़ने का आह्वान किया गया।

प्रशस्त राग मुक्ति मंजिल तक ले जाने में सहायक : उपप्रवर्तक नरेशमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के गांधीनगर स्थित अशोक महेन्द्र रांका के निवास पर विराजित उपप्रवर्तकश्री नरेशमुनिजी ने बुधवार को प्रातः अपने प्रवचन में चार प्रकार के राग, विराग, वीतराग और प्रशस्त राग की सारगर्भित विवेचना की। उन्होंने कहा कि वीतराग स्वयं के साथ दूसरों को भी संसार सागर से पार लगाता है। अप्रशस्त राग जीव को संसार सागर में भटकाता है तो गणधर गौतम स्वामी, सती चंदनबाला, रेवती श्राविका, सिंह अणगार का भगवान महावीर के प्रति प्रशस्त राग, राजुल नेमि का नौ भव की प्रीति रूप प्रशस्त राग उनके लिए मुक्ति मंजिल के किनारे तक ले जाने में सहायक बना। वैसे ही जैसे नदी पार करने के लिए नाव की जरूरत पड़ती है। हमको भी हमारे महान परम उपकारी तीर्थंकर परमात्मा, गुरु और धर्म के प्रति सच्ची लगन, श्रद्धा भक्ति की, समर्पण की भावना रखनी चाहिए तो निश्चित ही आप हम सबका भी कल्याण के साथ सबके लिए मुक्ति मोक्ष की मंजिल दूर नहीं होगी। हम सब निश्चित ही एक दिन भव भ्रमण से मुक्त होकर इस संसार सागर से पार हो सकते हैं।ङ्कयुवासंत शालिभद्रमुनिजी ने गुरु भक्ति से ओतप्रोत मधुर भजन प्रस्तुत करते हुए धर्म सभा को गुरु भक्ति के रंग में रंग दिया। इस मौके पर कोयम्बटूर से चातुर्मास सम्पन्न कर साध्वी डॉ प्रतिभाश्रीजी पहुँचीं। संतों के सान्निध्य में मुमुक्षु लवेश सिंघवी का रांका परिवार की ओर से सम्मान किया गया।

मुमुक्षु ने संतश्री नरेशमुनिजी के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की तथा साध्वीश्री दर्शनप्रभाजी के उपकारों को याद किया। इस मौके पर साध्वी डॉ मेघा श्रीजी, समृद्धि श्रीजी ने भी साध्वी डॉ दर्शनप्रभाजी को याद करते हुए गुरु की महिमा गाई। साध्वीश्री सुप्रभाजी भी उपस्थित थीं। रांका परिवार की ओर से सभी साधु साध्वियों के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की गई। इस अवसर पर गुरु ज्येष्ठ पुष्कर जैन आराधना केन्द्र के महामंत्री महावीर चंद मेहता ने मुमुक्षु लवेश सिंघवी के आगामी 25 जनवरी को आयोजित दीक्षा महोत्सव पर पंच दिवसीय कार्यक्रमों की जानकारी दी। अक्कीपेट संघ की ओर से सभी साधु साध्वियों को अक्कीपेट पधारने का निवेदन किया। इस अवसर पर गुरु ज्येष्ठ पुष्कर जैन आराधना केन्द्र के अध्यक्ष नेमीचंद सालेचा, उपाध्यक्ष अशोक कुमार रांका, महामंत्री महावीर चंद मेहता, महेंद्र मुणोत, महेंद्र रांका , बाबूलाल लुंकड़ सहित अनेक जन उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ बैंगलोर सेन्ट्रल के महामंत्री महेंद्र मुणोत ने किया।

राजेंद्र जैन महिला परिषद् ने गुरुसप्तमी पर किए मानवसेवी कार्य

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। अखिल भारतीय राजेंद्र जैन महिला परिषद् शाखा बेंगलूरु के तत्वावधान में राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रेमाबेन गांधीमुथा के नेतृत्व में आचार्यश्री राजेन्द्रसूरीश्वरजी की जयंती व पुण्यतिथि व साध्वी सूर्यकिरणजी की पुण्यतिथि के अवसर पर मानवसेवा के कार्य किए गए। इस मौके पर महिलाओं ने ऋषभ कामधेनु गौशाला में गायों के लिए 100 किलो लापसी, एक गाड़ी घास, सब्जी, गुड़ उपलब्ध कराया तथा गाय, कबूतर व कीड़ी के सहयोगार्थ आर्थिक सहयोग दिया। मानवसेवा कार्य के तहत महिला परिषद ने सामायिक व गुरुपूजा की तथा साधर्मिक परिवारों को राशन हेतु सहयोग दिया। परिषद की अध्यक्ष कंचन पालगोता ने सभी का स्वागत किया तथा सचिव कंचन श्रीश्रीमाल ने धन्यवाद दिया।

कर्नाटक हाउसिंग बोर्ड ने बेंगलूरु में अवैध रूप से जमीन बेचने को लेकर लोगों को आगाह किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक हाउसिंग बोर्ड (केएचबी) ने सूर्यनगर चरण-4 आवास परियोजना में प्लॉट चयन पत्रों' के आधार पर भूखंड खरीदने को लेकर सार्वजनिक सूचना जारी की है जिसमें आगाह किया गया है कि ऐसी खरीद-फरोख्त अवैध हैं और धोखाधड़ी व वित्तीय नुकसान का कारण बन सकती है। केएचबी आवास आयुक्त ने एक सार्वजनिक सूचना में कहा कि आनेकल तालुक, बेंगलूरु शहरी जिले के इंदलवाड़ी, कडुजक्कनहल्ली और बग्गनाडोड्डी गांवों में कुल 1,498 एकड़ और 39 गुंटा (एक एकड़ = 40 गुंटा) भूमि को सूर्यनगर चरण-4 आवासीय परियोजना के लिए भूमि अधिग्रहण अधिनियम की धारा 6(1) के तहत अधिग्रहित किया गया था।

आयुक्त ने कहा कि यह परियोजना बोर्ड और भूस्वामियों के बीच 50-50 प्रतिशत बंटवारे के आधार पर विकसित की जा रही है और विकास कार्य वर्तमान में जारी हैं। इस योजना के तहत, विकसित भूमि का 50 प्रतिशत हिस्सा भूस्वामियों को दिया जाता है। बोर्ड ने भूस्वामियों को जारी किए गए दस्तावेजों की स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा, जिनकी भूमि अधिग्रहीत की गई है उन्हें दिया गया प्रतीकात्मक भूखंड चयन पत्र' केवल एक दस्तावेज है जो चयन/आरक्षण प्रक्रिया के हिस्से के रूप में भूस्वामियों के लिए निर्धारित भूखंडों को दर्शाता है और भूखंडों को हस्तांतरित करने, समझौते करने या बेचने का कोई अधिकार प्रदान नहीं करता है।

केएचबी के अधिकारियों ने कहा कि उनके संज्ञान में आया है कि कुछ भूस्वामी इन पत्रों का दुरुपयोग करके बिक्री समझौते कर रहे हैं और यहां तक कि भूखंड को हस्तांतरित भी कर रहे हैं।

जयशंकर ने जिया के बेटे तारिक रहमान को प्रधानमंत्री मोदी का पत्र सौंपा

ढाका/भाषा। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के नेता तारिक रहमान को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का पत्र सौंपा।

जयशंकर पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के अंतिम संस्कार में शमिल होने के लिए यहां पहुंचे हैं।

ढाका पहुंचने के तुरंत बाद जयशंकर ने बीएनपी के कार्यवाहक अध्यक्ष और जिया के सबसे बड़े बेटे रहमान से मुलाकात की और तीन दशकों से अधिक समय तक देश की राजनीति पर अपना दबदबा बनाए रखने वाली इस महान नेता के निधन पर भारत की ओर से गहरी संवेदना व्यक्त की।

जयशंकर ने सोशल मीडिया पर अपने पोस्ट में कहा, मैंने उन्हें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का पत्र सौंपा। मैंने भारत सरकार और जनता की ओर से गहरी संवेदना व्यक्त की।

विदेश मंत्री ने कहा, मैंने विश्वास व्यक्त किया कि बेगम खालिदा जिया के दृष्टिकोण और मूल्य हमारी साझेदारी के विकास में मार्गदर्शक बनेंगे।

हर धर्म में श्रेष्ठ जीवन जीने का संदेश होता है : साध्वी भव्यगुणाश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के मुनिसुव्रत स्वामी जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक संघ केन्टोन्मेन्ट में विराजित साध्वी भव्यगुणाश्रीजी ने कहा कि हर धर्म में अच्छे महापुरुष हैं और हर धर्म में अच्छे शास्त्र हैं। हमें उन महापुरुषों का सम्मान करना चाहिए। हर धर्म में श्रेष्ठ जीवन जीने की बातें हैं। दुनिया का कोई धर्म नहीं कहता कि आप किसी को कोई दुख दो, दुनिया का कोई धर्म नहीं कहता कि आप किसी का धन चुराओ, दुनिया का कोई धर्म नहीं कहता कि आप हिंसा करो, दुनिया का कोई धर्म नहीं कहता कि आप चोरी, व्यभिचार, लूटपाट करो। दुनिया का हर धर्म हमें मानवता का संदेश देता है। अगर हम अपने नजरिए को बड़ा करेंगे तो दुनिया के किसी भी धर्म में कोई फर्क नहीं है, केवल जीने के तरीके का फर्क है। अपनी सोच को हमेशा बड़ा रखना चाहिए।

साध्वी शीतलगुणाजी ने कहा कि इस देश की माटी चंदन है, तपोभूमि हर गांव है। हम सूरज बनकर दुनिया का अंधेरा नहीं मिटा सकते पर दीपक बनकर जरूर अपने आसपास का अंधेरा तो मिटा ही सकते हैं। दुनिया में जिंदगी जीने के दो ही रास्ते हैं- एक भलाई का रास्ता और एक बुराई का। दुनिया बड़ी गजब की है, पशु अपने पूरे जीवनभर पशु ही रहता है, देवता अपने पूरे जीवन में देवता ही रहता है, पर एक इंसान के पास दो विकल्प हैं। वह चाहे तो पशु भी बन सकता है और चाहे तो मनुष्य जीवन में देवता भी बन सकता है। सुबह उठकर अपने-आपसे पूछ लिया करो, हे जीव आज तू क्या जिंदगी जीना चाहता है, सुखीराम बनना चाहता है या दुखीराम। अगर सुखीराम बनना है तो भलाई का रास्ता ले लो। जीवन के हरपल को जो व्यक्ति वाह-वाह कहकर जीवन का आनंद लिया करता है, वही दुनिया का सबसे सुखी आदमी है। मुसीबतें तो सबके जीवन में आती हैं, पर मुसीबत से पार वही पाता है जो मुसीबत में भी मुस्कुराना जान लेता है। तस्वीर में तो कर कोई मुस्कुराता है, पर जीवन की बाजी वही जीतता है जो तकलीफ में भी मुस्कुराना जानता है।

हाई परफॉर्मेंस केंद्र का खेलमंत्री ने किया वर्चुअल शिलान्यास

नई दिल्ली/बेंगलूरु। भारतीय खेल प्राधिकरण के बेंगलूरु स्थित नेताजी सुभाष दक्षिण केंद्र को नया अत्याधुनिक हाई परफॉर्मेंस केंद्र मिलने जा रहा है जिसके शिलान्यास समारोह का खेलमंत्री मनसुख मांडविया ने बुधवार को वर्चुअल उद्घाटन किया। करीब 75 करोड़ की लागत से बनने वाले प्रस्तावित केंद्र को हिन्दुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड से सीएसआर सहयोग के द्वारा स्थापित किया जायेगा जो इसके लिये 60 करोड़ रूपये देगा। साइ के सूत्र के अनुसार यह अगले 12 महीने में तैयार हो जायेगा। खेल मंत्रालय की एक विज्ञप्ति के अनुसार, ''इससे भारत के एलीट खिलाड़ियों की तैयारियों का इकोसिस्टम मजबूत होगा चूंकि उन्हें एक छत के नीचे विश्व स्तरीय खेल विज्ञान और सहायक सुविधायें मिल सकेंगी।'' विज्ञप्ति में कहा गया कि केंद्र में खेल मेडिसिन, अनुकूलन, रिहैबिलिटेशन और रिकवरी, बायोमैकेनिक्स, फिजियोलॉजी, मनोविज्ञान, खुराक, प्रदर्शन विश्लेषण और हाइड्रोथेरेपी की आधुनिक सुविधायें होंगी। मांडविया ने वर्चुअल संबोधन में कहा, ''हाई परफॉर्मेंस केंद्र में यह सुनिश्चित किया जायेगा कि ट्रेनिंग और रिकवरी विज्ञान और तकनीक के अनुसार हो जिससे खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिये तैयार किया जा सके।'' उन्होंने एचएएल की भी सीएसआर योगदान के लिये सराहना की। उन्होंने कहा, ''देश की रक्षा में योगदान देने वाला संगठन अब खेलों में उत्कृष्टता के लिये योगदान दे रहा है।''

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ग़ज़ल

नया साल हूँ

शंख हूँ, नाद हूँ, जंग हूँ, ताल हूँ,
खो न देना मुझे, मैं नया साल हूँ।

जो बचाया मुझे मैं बनाया उसे,
क्या नहीं है मेरे पास , टकसाल हूँ।

कामयाबी मिलेगी तिज़ारत तुम्हें ,
काटना ढंग से वरना जंजाल हूँ।

जो करोगे भरोगे वही उम्रभर ,
शस्त्र हूँ, ढाल हूँ, मित्र हूँ, काल हूँ।

चाहकर भी न हल कर सकोगे कभी,
फाँस ले जो कभी भी मैं वो जाल हूँ।

ख़ैरियत चाहता हूँ ज़माने की मैं,
सुन सको तो मुझे सुनना वाचाल हूँ।

चाल सबकी समझता हूँ मैं हर घड़ी,
विक्रमादित्य हूँ मैं ही बेताल हूँ।

माणिक विश्वकर्मा 'नवरंग'
मो.9424141875

भारत एवं रूस 2025 में आर्थिक संबंध अधिक संतुलित एवं विविध बनाने की दिशा में आगे बढ़े

मॉस्को/भाषा। समय की कसौटी पर खरे उतरे साझेदार भारत और रूस 2025 में अधिक संतुलित एवं विविध आर्थिक संबंध बनाने की दिशा में आगे बढ़े। दोनों पक्षों ने यह महसूस किया कि द्विपक्षीय व्यापार को रक्षा और ऊर्जा क्षेत्रों से आगे बढ़ाए जाने की आवश्यकता है। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की दिसंबर में नई दिल्ली यात्रा के दौरान भारत और रूस ने मजबूत आर्थिक साझेदारी के निर्माण के लिए पांच वर्षीय रूपरेखा सहित कई उपायों की घोषणा की और भारत की व्यापार घाटे से जुड़ी चिंताओं को भी हल किया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रपति पुतिन को यह भी संदेश दिया कि यूक्रेन युद्ध का समाधान शांतिपूर्ण तरीकों से किया जाना चाहिए। 'आरटी' समाचार चैनल के अनुसार, भारत यात्रा से पहले जब अमेरिका द्वारा रूस के प्रमुख साझेदारों पर ऊंचे शुल्क और प्रतिबंध लगाए जाने की धमकी के बारे में पूछा गया, तो पुतिन ने कहा कि भारतीय जनता अपने देश को ऐसे फैसले लेने के लिए दबाव में नहीं आने देगी, जो उसके राष्ट्रीय हितों और प्राथमिकताओं के खिलाफ हों। उन्होंने कहा था, भारत कभी भी खुद को किसी के सामने अपमानित नहीं होने देगा। मैं प्रधानमंत्री मोदी को जानता हूं, वह भी ऐसा कोई फैसला नहीं करेंगे। पुतिन का इशारा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा रूसी तेल की खरीद के कारण भारत पर लगाए गए अतिरिक्त 25 प्रतिशत शुल्क की ओर था। इस अतिरिक्त शुल्क के कारण अमेरिका द्वारा भारत पर लगाया गया कुल शुल्क 50 प्रतिशत तक पहुंच गया। नई दिल्ली ने इन शुल्कों को अनुचित, तर्कहीन और अव्यवहारिक बताया है।

इस बीच, नई दिल्ली में आयोजित 23वें भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन का प्रमुख परिणाम 30 दस्तावेजों पर हस्ताक्षर और उनकी मंजूरी रहा। ये दस्तावेज व्यापार, आर्थिक और निवेश सहयोग के विस्तार के लिए दीर्घकालिक आधार प्रदान करते हैं, जिनमें गैर-परमाणु जहाज निर्माण और ध्रुवीय नौवहन के लिए भारतीय नाविकों के प्रशिक्षण से जुड़े समझौते भी शामिल हैं। भारत में रूस के व्यापार प्रतिनिधि आंद्रेई सोबोलेव ने तास समाचार एजेंसी से कहा, हम सामान्य हितों के आदान-प्रदान से आगे बढ़कर विशिष्ट सहयोग प्रारूपों के ठोस विकास की ओर बढ़ रहे हैं संयुक्त अनुसंधान एवं विकास, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण से लेकर उत्पादन क्षमताओं के निर्माण और दीर्घकालिक सहयोग श्रृंखलाओं के विकास तक। सोबोलेव ने कहा कि दोनों देश संयुक्त उपक्रम स्थापित करने और अपने-अपने क्षेत्रों में उत्पादन के स्थानीयकरण में पारस्परिक रुचि दिखा रहे हैं। उन्होंने बताया कि रूसी कंपनियां भारत को घरेलू बाजार के साथ-साथ दक्षिण एशिया और तीसरे देशों के बाजारों में विस्तार के लिए एक संभावनाशील मंच के रूप में देख रही हैं, जबकि भारतीय कारोबारी भी रूसी बाजार में अवसर तलाश रहे हैं। हालांकि, कई पर्यवेक्षकों का मानना है कि भारत-रूस द्विपक्षीय सहयोग की संभावनाएं लगभग समाप्त हो चुकी हैं और पश्चिमी प्रतिबंधों के दबाव में रूस से रियायती कच्चे तेल की आपूर्ति भी बंद हो सकती है। इसके बावजूद दोनों पक्ष इस बात पर सहमत हैं कि द्विपक्षीय व्यापार को रियायती कच्चे तेल की भारी आपूर्ति से आगे बढ़ाने की जरूरत है।

शिखर सम्मेलन के बाद एक संवाददाता सम्मेलन में क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने कहा, भारत एक संप्रभु देश है और रहेगा तथा वह अपने लिए लाभकारी स्थानों से विदेशी व्यापार और ऊर्जा संसाधनों की खरीद करता है। मॉस्को स्थित इंडियन बिजनेस एलायंस (आईबीए) के अध्यक्ष सैमी मनोज कोटवानी ने कहा कि यद्यपि भारत ने सखालिन द्वीप और साइबेरिया सहित रूस की कई तेल और गैस परियोजनाओं में निवेश किया है।

सिमंधर शांति आराधना भवन में 15 मुमुक्षुओं का हुआ सम्मान, निकली शोभायात्रा

गजानन व सिंगटवाडिया परिवार ने किया मुमुक्षुओं का सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के सिमंधर शान्तिसूरि जैन संघ के तत्वावधान में बुधवार को आराधना भवन में आचार्यश्री देवेन्द्रसागरसूरीश्वरी व अरिहंतसागरसूरीश्वरजी की निश्रा में मुमुक्षु इतिकुमारी एवं अन्य 14 मुमुक्षुओं की शोभा यात्रा सह अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया। सुबह मुमुक्षुओं की शोभायात्रा सिमंधर शान्तिसूरी जैन मंदिर से प्रारंभ होकर क्षेत्र के विभिन्न मार्गों से होते हुए आराधना भवन पहुंची। आराधना भवन पहुंचकर संतों के सान्निध्य में लाभार्थी शांतिलाल अशोककुमार गजानन परिवार व प्रकाशचन्द नितेशकुमार सिंगटवाडिया परिवार की ओर से 9 युवक व 6 युवतियों, कुल 15 मुमुक्षुओं का सम्मान किया गया।

इस मौके पर आचार्यों ने सभी मुमुक्षुओं को संयम पथ पर चलने के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि संयम का मार्ग प्रभु महावीर का मार्ग है, इस पर चलकर आप सभी को अपना तो कल्याण करना ही है, साथ में परकल्याण भी करना होगा। धर्म व संयम की राह पर चलने वाला हमेशा पूजनीय होता है। संतों ने सभी मुमुक्षुओं के परिवारजनों के प्रति धन्यवाद व्यक्त किया जिन्होंने इन मुमुक्षुओं को संयम पथ पर बढ़ने की अनुमति दी।

पूरे सभागार में मुमुक्षुओं की जयजयकार हुई। विभिन्न समाज के पदाधिकारियों व सदस्यों ने संयम पथ के अनुयायियों की अनुमोदना की। अखिल भारतीय जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक युवक महासंघ ने शोभायात्रा की व्यवस्था संभाली।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com/**RNI No. 58061/93.**